



मंधाना शीर्ष पर, दीपित गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर

GST बचत उत्सव

मेरी खेती अब बचत के साथ

GST राहत लाई खुशियों की सौगात

अब ट्रैक्टर हुए ₹40,000 तक सस्ते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF BHARAT

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति भवन के पास इमारत में आग लगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के द्वार संख्या 31 के पास एक इमारत में मंगलवार दोपहर आग लग गई, जिसके बाद दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दो मंजिला इमारत के भूतल पर घरेलू सामान में आग लगने की सूचना दोपहर 1:51 बजे मिली। उन्होंने बताया कि आग पर 20 मिनट में काबू पा लिया गया। एजेंसी

भारत ने काबुल में तकनीकी मिशन को दिया दूतावास का दर्जा

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के व्यापक प्रयासों के तहत मंगलवार को काबुल में अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की। यह घोषणा ऐसे वक्त की गई है, जब डेढ़ सप्ताह पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुतकी के साथ बैठक के दौरान कहा था कि भारत काबुल में अपनी राजनयिक उपस्थिति को उन्नत करेगा। अगस्त 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद भारत ने काबुल स्थित अपने दूतावास से अपने अधिकारियों को वापस बुला लिया था। एजेंसी

तीन गुना बढ़ी पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं

चंडीगढ़। पंजाब में इस मौसम में पराली जलाने की घटनाओं की संख्या बढ़कर 353 तक पहुंच गई है, जिनमें से अधिकतर मामले तरनतारन और अमृतसर जिलों से हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। पीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 दिनों में राज्य में पराली जलाने की घटनाओं में तीन गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। ग्यारह अक्टूबर तक ऐसे 116 मामले सामने आए। आगे इनमें बढ़ोतरी हो सकती है। एजेंसी

पंजाब से दो आतंकी गिरफ्तार, दिवाली पर बड़े हमले करने की योजना नाकाम



चंडीगढ़ (भाषा)। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने आतंकवादी गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल दो लोगों को पकड़ा और रॉकेट द्वारा चालित ग्रेनेड (आरपीजी) को 'लॉन्चर' के साथ जब्त किया है, जिससे 'लक्षित आतंकवादी हमला' किया जाना था। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करते हुए, अमृतसर से आतंकवादी गतिविधियों में शामिल दो लोगों महकदीप सिंह उर्फ महक और आदित्य उर्फ अंधी को गिरफ्तार किया है।

विककी के संपर्क में भी थे दोनों

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े व्यक्ति के संपर्क में थे, जिसने हथियार भेजा था और साथ ही वे हरप्रत सिंह उर्फ विककी के संपर्क में भी थे, जो वर्तमान में फिरोजपुर जेल में है। डीजीपी ने कहा कि आरपीजी से 'लक्षित आतंकवादी हमला' करने की साजिश थी।

दोनों अमृतसर के रहने वाले

इस बीच, पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि महकदीप सिंह उर्फ महक अमृतसर के वडाली का रहने वाला है और आदित्य उर्फ अंधी अमृतसर के मना खीना गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उनकी मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। बयान में डीजीपी के हवाले से कहा गया है कि शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंस्टीट्यूट (आईएसआई) के एक अधिकारी के संपर्क में थे, जिसने ड्रोन के जरिए सीमा पर से यह खेप भेजी थी।

दमघोंटू हवा गैस चैंबर बना हरियाणा



हरियाणा को देखते हुए गैप-2 की पाबंदियां शुरू

हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़/रोहतक

दिवाली की रात हुई आतिशबाजी के कारण हरियाणा एक गैस चैंबर में तब्दील हो गया है। 15 जिलों में रात के समय एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरनाक स्तर यानी 500 तक पहुंच गया था। यह हवा इतनी जहरीली थी कि एक स्वस्थ व्यक्ति को भी बीमार कर सकती थी। हालांकि, सुबह होते-होते प्रदूषण में थोड़ी कमी देखने को मिली, लेकिन अब भी प्रदूषण गंभीर स्थिति में बना हुआ है। वहीं, एवरेज एक्यूआई की बात करें तो रोहतक और नारनौल गुरुग्राम से ज्यादा प्रदूषित हैं। रोहतक सहित हरियाणा के 5 शहरों में प्रदूषण गंभीर स्थिति में पहुंच गया। वहीं, कुछ शहर ऐसे रहे जहां रात से सुबह 8 बजे लगातार 500 एक्यूआई बना रहा।

500 तक पहुंचा एक्यूआई

सुप्रीम कोर्ट ने रात 8 से 10 तक दी थी केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति

रोहतक समेत पांच शहरों में स्थिति सबसे ज्यादा खराब

ज्यादातर शहरों में प्रदूषण स्तर 300 एक्यूआई से अधिक

पूरे एनसीआर में हाल बेहाल

प्रदेश में प्रदूषण का स्तर देखते हुए गैप-2 की पाबंदियां शुरू हो गई हैं। इससे पहले 14 नवंबर को एनसीआर में गैप का पहला चरण लागू हो चुका था। औसत एक्यूआई से अलग मैक्सिमम एक्यूआई कई शहरों में 500 तक पहुंच रहा है। रोहतक, नारनौल, गुरुग्राम, बहादुरगढ़, धरुहोड़ा, बल्लभगढ़ जैसे शहरों में गैप-2 की पाबंदियां शुरू हो जाएंगी। इसके कारण डीजल वाहन पर सख्ती और इंडस्ट्रीज के धुएँ को नियंत्रण में करने जैसे पाबंदियां लगेगी, ताकि प्रदूषण से बचा जा सके।

सुबह यह रहा प्रदूषण स्तर

जिला	स्तर
रोहतक	376
नारनौल	390
बहादुरगढ़	368
सिरसा	353
दादरी	353
मानेसर	320
धरुहोड़ा	412
जाँद	421
गुरुग्राम	370
अंबाला	234
फतेहगढ़	266

सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद भी लोगों ने पूरी रात फोड़े पटाखे

घनी धुंध छाई, 15 शहरों की हवा बीमार करने वाले स्तर पर पहुंची

हरियाणा में मंगलवार को सुबह से बादल छाए रहे। वहीं, हवा भी चली इससे स्मॉग से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के हल्के प्रभाव से हरियाणा में 2 दिन मौसम परिवर्तनशील रहेगा। उत्तरी हरियाणा के शहरों में बूढ़ाबांदी हो सकती है। वहीं, बाकी हरियाणा में दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

ग्रीन पटाखों की थी मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में 18 से 21 अक्टूबर तक ग्रीन पटाखे बेचने और फोड़ने की इजाजत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि 4 दिनों के दौरान, लोग सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात में 8 बजे से 10 बजे तक, यानी कुल तीन घंटे ही ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे।

दिल्ली में 5 साल का रिकॉर्ड टूटा

दिल्ली में दिवाली के बाद हवा की क्वालिटी में तेजी से गिरावट हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिवाली के बाद दिल्ली की हवा में प्रदूषण के छोटे-छोटे कण (एमपी 2.5) का लेवल पिछले पांच सालों में सबसे ज्यादा बढ़ गया है। दिवाली के बाद के 24 घंटों में हवा में पीएम 2.5 लेवल 488 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया। त्योहार से पहले यह 156.6 माइक्रोग्राम था। वहीं, साल 2021 में दिवाली के बाद दिल्ली में पीएम 2.5 लेवल 454.5 था। 2022 में 168, 2023 में 319.7 और 2024 में 220 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के मुताबिक, द्वारका में एयर क्वालिटी इंडेक्स 417 पहुंच गया। अशोक विहार में 404, वजौरपुर में 423 और आनंद विहार में 404 एक्यूआई रहा।



पंजाब के पूर्व डीजीपी पर बेटे की हत्या की एफआईआर

हरिभूमि ब्यूरो पंचकूला

पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी पत्नी व पंजाब की पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना पर पंचकूला में बेटे की हत्या की एफआईआर दर्ज हुई है। मुस्तफा-रजिया के साथ उनकी बेटी और बहू को भी आरोपी बनाया गया है। मुस्तफा के बेटे अकील (35) की 16 अक्टूबर की देर रात पंचकूला में मौत हुई थी। तब परिवार ने कहा था कि दवाओं के ओवरडोज से मौत हुई। लेकिन, अकील की मौत के बाद उसका 27 अगस्त का पुराना वीडियो सामने आ गया। इसमें अकील ने कहा था कि मुझे पूर्व डीजीपी पिता के अपनी पत्नी से अवैध संबंध होने का पता चल गया। वह पत्नी मेरी थी, लेकिन शादी जैसे डेड से कीं। इसके बाद से परिवार के लोग उसकी हत्या की साजिश कर रहे हैं।

हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते थे अकील

हसी को आधार बनाकर अकील की पहचान वाले शमशुद्दीन ने पंचकूला पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी थी। जिसमें वीडियो का हवाला देते हुए मामले की जांच की मांग की गई थी। अकील का एक बेटा और एक बेटी है। अकील पंजाब हंड हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते थे। पंचकूला की डीसीपी सुफिट गुप्ता ने कहा कि एसीपी रैक के अधिकारी की अनुआई वाली एफआईआर गति की गई है। वहीं इस मामले की जांच करेगी।

परिवार से चल रहा था विवाद

मालेरकोटला के मंडल टाउन में रहने वाले शमशुद्दीन ने 17 अक्टूबर को पंचकूला के पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी थी। जिसमें उन्होंने पूर्व डीजीपी मुस्तफा और उनकी पंजाब की पूर्व मंत्री पत्नी रजिया सुल्ताना के बेटे अकील की सड़क मोती की जांच की मांग की थी। शमशुद्दीन ने कहा था कि पंचकूला के मन्सा देवी मंदिर के पास सेक्टर 4 में रहने वाले अकील और उसके परिवार के बीच विवाद चल रहा था।

एच1 बी वीजाधारकों को प्रवास अवधि बढ़ाने पर नहीं लगेगा शुल्क

न्यूयॉर्क (भाषा)। अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों पर ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाया गया एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क ऐसे आवेदकों पर लागू नहीं होगा, जो अपने 'स्टेटस' में बदलाव कराना चाहते हैं या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाना चाहते हैं। नए दिशानिर्देशों में यह जानकारी दी गई है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) द्वारा जारी दिशानिर्देशों में 'कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया गया है।

मौजूदा एच-1बी धारक पर रोक नहीं

यूएससीआईएस ने यह भी बताया कि इस आदेश में किसी भी मौजूदा एच-1बी धारक के अमेरिका में आने-जाने पर रोक नहीं है। यूएससीआईएस ने कहा, 'यह आदेश 21 सितंबर, 2025 को रात 12:01 बजे या उसके बाद किए गए उस आवेदन पर भी लागू नहीं होगा, जिसमें आवेदन के अपने 'स्टेटस' में बदलाव कराने या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाने की इच्छा जताई है।'

भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव

यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क स्टेटस में परिवर्तन के मामलों पर लागू नहीं होता है, जहां व्यक्ति देश छोड़े बिना ही श्रेणी बदल लेता है, जैसे कि एच-1 छात्र की स्थिति से एच-1बी की स्थिति में जाना। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में एच-1बी वीजा के लिए शुल्क को बढ़ाकर प्रतिवर्ष 100,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है, जिससे अमेरिका में वीजा प्राप्त भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

वस्तु स्थिति रिपोर्ट में खुलासा एक कार की कीमत 70 लाख स्वास्थ्य व कृषि जैसे विभाग संभाले

कोर्ट में गंदे शौचालय लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय में विभिन्न उच्च न्यायालयों की ओर से दायित्व वस्तु स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, देश भर के अदालत परिसरों में शौचालयों की नितर अस्वच्छ स्थिति, न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, वार्दियों और कर्मचारियों सहित सभी उपयोगकर्ताओं के मौलिक अधिकारों और सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है। न्यायालय को सूचित किया गया कि महानगरों में स्थित उच्च न्यायालयों में भी शौचालयों की खराब स्थिति मात्र गंदगी नहीं है, बल्कि यह धन आवंटन, रखरखाव अनुबंधों को लागू करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने में प्रणालीगत और प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। स्थिति रिपोर्ट में कहा गया, 'मौजूदा बुनियादी ढांचा आधुनिक और समावेशी सार्वजनिक उपयोगिता के मानकों को पूरा करने में विफल है।'

लोकपाल को सात बीएमडब्ल्यू कार चाहिए, निविदा जारी

नई दिल्ली (भाषा)। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था लोकपाल ने लगभग पांच करोड़ रुपये में सात लक्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए एक निविदा जारी की है। इसकी विपक्ष और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ताओं ने निंदा की है जिन्होंने संस्थान की प्राथमिकताओं और कामकाज के रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। निविदा और कार विनिर्माता को वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में लगभग 69.5 लाख रुपये प्रति कार की ऑन-रोड कीमत वाली इस लंबी व्हीलबेस सेडान कार को इस सेगमेंट की सबसे लंबी कार के रूप में वर्णित किया गया है, जिसे बेहद शानदार केबिन में उल्लूक आराम के लिए डिज़ाइन किया गया है। निविदा में लिखा है, 'भारत के लोकपाल सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज 330एलआई कारों की आपूर्ति के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता योगेंद्र मकवाना नहीं रहे

अहमदाबाद (भाषा)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता योगेंद्र मकवाना का मंगलवार को अहमदाबाद में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। यह जानकारी कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने दी। कांग्रेस प्रवक्ता हिरेन बैकर ने बताया कि मकवाना 1973 से 1989 तक राज्यसभा सदस्य रहे। वह राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के उप मुख्य सचेतक और सचिव थे। बैकर ने बताया कि मकवाना का आज सुबह निधन हो गया। कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी एक विज्ञापित के अनुसार, मकवाना 1980 से 1988 के बीच प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे थे। उन्होंने गृह, योजना, संचार, इस्पात एवं खान, स्वास्थ्य और कृषि जैसे विभागों का कार्यभार संभाला। गुजरात के आणंद जिले के सोजिगा गांव में 23 अक्टूबर, 1933 को उनका जन्म हुआ था।

एनटी टैंक रॉकेट लॉन्चर बरामद, आईएसआई के संपर्क में थे

पंजाब से दो आतंकी गिरफ्तार, दिवाली पर बड़े हमले करने की योजना नाकाम

चंडीगढ़ (भाषा)। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उसने आतंकवादी गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल दो लोगों को पकड़ा और रॉकेट द्वारा चालित ग्रेनेड (आरपीजी) को 'लॉन्चर' के साथ जब्त किया है, जिससे 'लक्षित आतंकवादी हमला' किया जाना था। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करते हुए, अमृतसर से आतंकवादी गतिविधियों में शामिल दो लोगों महकदीप सिंह उर्फ महक और आदित्य उर्फ अंधी को गिरफ्तार किया है।

बॉलीवुड अभिनेता असरानी का 84 साल की उम्र में निधन

अंतिम संस्कार में शामिल हुए नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के 'जेलर' 'शोले' में निभाई यादगार भूमिका, 300 से अधिक फिल्मों की

एजेंसी मुंबई

फिल्म शोले में अंग्रेजों के जमाने के जेलर का रोल निभाने वाले गोवर्धन असरानी का सोमवार को निधन हो गया है। 84 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली है। एक्टर को 4 दिन पहले अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां उनका निधन हुआ। उनकी लॉन्स में पानी भर गया था। उनके निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ गई। उनके मैनेजर बाबुभाई थिबा ने उनके निधन की पुष्टि की। सादगी से अंतिम संस्कार किया गया।

निधन की खबर छिपा कर रखने की थी इच्छा

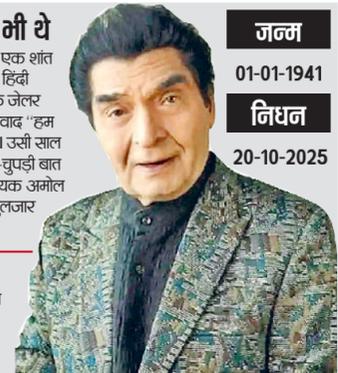
बाबुभाई थिबा ने बताया कि निधन से पहले असरानी ने अपनी पत्नी के सामने इच्छा जताई थी कि उनकी मौत की खबर किसी को न दी जाए। वो हंगामा नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा था कि अंतिम संस्कार के बाद ही सबको इसकी खबर दी जाए। वहीं वजह रही कि निधन के तुरंत बाद सालाकृष्ण के शान्तिनगर स्थित श्मशान में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इससे परिवार के 15-20 लोग ही शामिल हुए।

हास्य कलाकार के साथ चरित्र अभिनेता भी थे

नई दिल्ली (भाषा)। असरानी सिर्फ हास्य अभिनेता नहीं थे, बल्कि एक शांत चरित्र अभिनेता भी थे, जो उन कई फिल्मों का हिस्सा रहे जो अब हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर का प्रतीक हैं। उन्हें हमेशा फिल्म 'शोले' के जेलर के रूप में याद किया गया और आगे भी किया जाएगा, जिनका संवाद 'हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं' 50 साल बाद भी दोहराया जाता है। उसी साल बासु चटर्जी की 'छोटी सी बात' आई, जिसमें असरानी ने चिकनी-चुपड़ी बात करने वाले नागेश की भूमिका निभाई, जो चिंता सिंह के साथ नयक अमोल पालेकर के रिश्ते में बाधा डालने की कोशिश करता है। उन्होंने गुलजार की 'सुश्रुत' में मद्रदगार भाई की भूमिका निभाई।

नोदी ने बताया दुःख बॉलीवुड में शोक

पीएम नरेंद्र मोदी ने अभिनेता गोवर्धन असरानी के निधन पर शोक जताया। वहीं, अमिताभ बच्चन अक्षय कुमार के साथ ही अजय देवगन, शबाना आज़मी सहित कई मशहूर हस्तियों ने फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ी क्षति बताया।



जन्म
01-01-1941

निधन
20-10-2025

फरीदाबाद में जगमगाया 15 फीट ऊंचा आशादीप दीपोत्सव में बिखरी एकता और आशा की रोशनी

मंत्री विपुल और खाद्य मंत्री नागर ने किया प्रज्वलित

हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़

प्रकाश के पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर, हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गायल की गरिमामयी उपस्थिति में फरीदाबाद के लेबर चौक पर 15 फीट ऊंचे भव्य आशादीप के प्रज्वलन का भव्य आयोजन हुआ। यह दीप न केवल एक प्रतीक है, बल्कि एकता, सद्भाव और आशा के अमृतमयी प्रकाश का संदेशवाहक बनकर समूचे फरीदाबाद को आलोकित करेगा। विपुल गायल ने दीप प्रज्वलन के अवसर पर अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का



प्रतीक है। जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस प्रकाश को पहुंचाने का संकल्प लेते हैं, तभी यह पर्व अपने सच्चे अर्थों में सार्थक होता है। दीप जलाओ, आशा बढ़ाओ के गुंजते नारों ने वातावरण को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया। यह 15 फीट ऊंचा आशादीप, परंपरा और पर्यावरणीय चेतना के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।

27 अक्टूबर को पीएम मोदी का राई में कार्यक्रम हो गया था रह

हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़

हरियाणा भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर प्रदेश में लाने की तैयारी आरंभ कर दी गई है। पीएम मोदी हरियाणा दिवस पर एक नवंबर को प्रदेश के दौरे पर आ सकते हैं, इस दिशा में भाजपा के सियासी दिग्गज विचार मंथन में जुटे हैं। बिहार चुनाव में व्यस्तता की वजह से अगर पीएम मोदी का एक नवंबर का हरियाणा दौरा फाइनल नहीं हो पाया तो गीता जयंती महोत्सव में भागीदारी के लिए 25 नवंबर को पीएम मोदी कुरुक्षेत्र आ सकते हैं।



बिहार चुनावों को लेकर पीएम मोदी के व्यस्त शेड्यूल से असमंजस की स्थिति

एक बार फिर से प्रधानमंत्री को प्रदेश लाने की तैयारी हरियाणा दिवस एक नवंबर को आने की संभावना पर मंथन

मुख्यमंत्री दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री शाह से मिल चुके

मुख्यमंत्री ने इस तरह के प्रस्ताव को लेकर नई दिल्ली में मुलाकात की और शाह से भी मिले। पीएम मोदी की स्वीकृति मिलने के बाद रैली की तैयारियां तेज कर दी जाएंगी। हरियाणा में भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा होने पर 27 अक्टूबर को पीएम मोदी सोनीपत के राई में आने वाले थे। इस दिन कई हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास होना था, लेकिन आईपीएस वाई पूजन कुमार की आत्महत्या के बाद राज्य में माहौल बना कि भाजपा को पीएम मोदी का दौरा स्थगित करना पड़ा।

सरकार एक साल का रिपोर्ट कार्ड कर सकती है पेश

राज्य में हालत इस समय सामान्य हालात हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी अपनी सरकार के एक साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए पीएम मोदी के जल्दी हरियाणा आने का संकेत दिया है, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया कि पीएम कब आएंगे। सूत्रों के अनुसार पार्टी और सरकार की कोशिश एक नवंबर को हरियाणा दिवस पर पीएम मोदी को सोनीपत के राई में ही बुलाने की है। प्रधानमंत्री ने यदि स्वीकृति प्रदान कर दी तो इसी दिन उनके हार्थी दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की पात्र करीब 20 लाख महिलाओं के खातों में 2100-2100 रुपये डलवाए जाएंगे।

एक कार्यक्रम गीता जयंती को लेकर चर्चा

पीएम मोदी यदि बिहार चुनाव में व्यस्त रहे तो उन्हें गीता जयंती महोत्सव में शामिल होने के लिए बुलाया जाएगा, जो कि धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में होगा। 15 नवंबर से पांच दिनों तक गीता जयंती महोत्सव मनाया जाएगा है। यहां पहली बार 40 देशों के कलाकार और 20 देशों के राजदूत शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र लाने के प्रयास हो सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हाल ही में बिहार चुनाव में प्रचार करने गये थे।

घरेलू एयर पोर्ट और शहीदी स्मारक को उद्घाटन का इंतजार

अंबाला छावनी में घरेलू एयरपोर्ट और शहीदी स्मारक को भी उद्घाटन का इंतजार है। इस दिशा में प्रदेश के श्रम और परिवहन, ऊर्जा मंत्री अनिल विज प्रयासों में लगे हुए हैं। पूर्व में भी कई बार इस दिशा में वे दिल्ली जाकर मुलाकात कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मिलकर विज अंबाला आने का आग्रह कर चुके हैं। इनके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी को बुलाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

खबर संक्षेप

2 से 8 नवंबर तक हरियाणा स्टेट गेम्स

चंडीगढ़। हरियाणा खेल विभाग ने साफ कर दिया है कि स्टेट गेम्स 2025 में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को मिलने वाले सर्टिफिकेट के आधार पर खेल ग्रेडेशन प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। खेल विभाग ग्रेडेशन को लेकर हरियाणा सरकार के खेल विभाग ने साफ कर दिया है कि आगामी हरियाणा स्टेट गेम्स 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को मिलने वाले सर्टिफिकेट के आधार पर स्पोर्ट्स ग्रेडेशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा। खेल विभाग प्रधान सचिव की ओर से हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) को इस संबंध में पत्र जारी किया है। 2 से 8 नवंबर तक पंचकूला में विभाग को संज्ञान में आया था कि हरियाणा ओलंपिक संघ द्वारा 2 से 8 नवंबर तक पंचकूला में आयोजित किए जा रहा है।

23 को रोहतक में सुनी जाएगी बिजली की समस्याएं

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। 'उपभोक्ता संतुष्टि' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके। रोहतक जौन के अंतर्गत आने वाले जिलों नामतः करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर और रोहतक के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण रोहतक जौन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 23 अक्टूबर को रोहतक में की जाएगी।

सीएम से मिले महापौर कुलभूषण गायल

पंचकूला। महापौर कुलभूषण गायल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पंचकूला में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शहर को चंडीगढ़ की तर्ज पर सिटी ब्यूटीफुल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में और सुधार किया जाए तथा सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाए ताकि शहर के हर कोने में स्वच्छता बनी रहे। कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी।

सांसद सैलजा का प्रदेश सरकार पर तंज

युवाओं को रोजगार और सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी

हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़

सांसद सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा थोपी गई बेरोजगारी की महामारी ने प्रदेश के युवाओं को युवाओं और निराशा और विवशता की स्थिति में ला खड़ा किया है। प्रदेश के नौजवान आज रोजगार के अभाव में कर्ज लेकर, खेत और मकान बेचकर विदेश जाने को मजबूर हैं। यह एक अत्यंत दर्दनाक सामाजिक सच्चाई बन चुकी है। सांसद सैलजा ने कहा है कि हाल के दिनों में विदेशों में हरियाणा के युवाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार,

बर्बरता और मौतों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन सरकारें मौन हैं। करनाल जिले के हथलाना गांव के दिवंगत प्रदीप की रूस में हुई मृत्यु ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। वे केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों से मांग करती है कि यदि उनमें जरा भी इंसानियत बची है, तो दिवंगत प्रदीप का शव शीघ्र भारत लाकर परिजनों को सौंपा जाए, ताकि परिवार अंतिम संस्कार कर सके। हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले और परिवार को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान हो। रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे हरियाणा के युवाओं की खबरें अत्यंत चिंताजनक और पीड़ादायक हैं।

उम्मीद जगी : प्राइवेट स्कूलों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला

अस्थायी स्कूलों का एक्सटेंशन और जुर्माना हो सकता है माफ



हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़

हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों को सरकार राहत दे सकती है। सरकार स्कूल सोसायटियों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने और अस्थायी स्कूलों को एक्सटेंशन लेटर जारी करने के फैसले पर विचार कर रही है। सीएम नायब सैनी ने भी इस मामले में अधिकारियों से विचार-विमर्श करने के लिए कहा है। दरअसल, हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों की अपनी इन मांगों को लेकर निजी स्कूल संघ का प्रतिनिधिमंडल हाल ही में सीएम नायब सैनी से चंडीगढ़ स्थित सीएम हाउस में मिला था। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को विभिन्न मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपते हुए जल्द समाधान की अपील की थी। सीएम ने भी उनकी मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया था।

2808 प्राइवेट स्कूलों को राहत देगी सरकार, अधिकारियों से मांगी रिपोर्ट

सीएम नायब सैनी ने भी इस मामले में अधिकारियों से विचार-विमर्श करने के लिए कहा है। दरअसल, हरियाणा के प्राइवेट स्कूलों की मांगों को लेकर निजी स्कूल संघ का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला था।



चंडीगढ़। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के प्रतिनिधि अपनी मांगों को मीडिया के सामने रखते हुए।

सीएम ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिया की लंबित मुद्दों का समाधान किया जाएगा

सीएम सैनी ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिया था कि अन्य लंबित मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार कर जल्द ही समाधान किया जाएगा। सीएम से मुलाकात के दौरान संघ प्रदेश सचिव प्रदीप पूनिया और पेटर्न महावीर यादव ने बताया कि ज्ञापन में 2808 स्कूलों से संबंधित कई अहम मांग उठाई गईं। उन्होंने कहा कि सरकार से एम.आई.एस.पोर्टल को दोबारा खोलने की मांग की गई, ताकि स्कूलों की तकनीकी और प्रशासनिक दिक्कतें दूर की जा सकें। साथ ही, स्कूल सोसायटियों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने और अस्थायी स्कूलों को एक्सटेंशन लेटर जारी करने का आग्रह किया गया।

राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र के सुधार और निजी स्कूलों के हितों को लेकर संवेदनशील

सीएम सैनी ने संघ के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र के सुधार और निजी स्कूलों के हितों को लेकर संवेदनशील है। स्कूल सोसायटियों का जुर्माना माफ करने और अस्थायी स्कूलों को वैध विस्तार देने का निर्णय सरकार स्तर पर लिया जाएगा, ताकि शिक्षा व्यवस्था पर किसी प्रकार का दबाव न पड़े। उन्होंने अन्य मांगों पर भी अधिकारियों को रिपोर्ट तैयार कर जल्द निर्णय लेने के निर्देश दिए। चंडीगढ़। संघ प्रदेश अध्यक्ष सत्यनंद कुंड़ ने बताया कि वर्ष 2017 में सोसायटियों से 700 रुपये वार्षिक शुल्क की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस बारे में सुचना मिलने के बावजूद विभाग ने 20 रुपये प्रतिदिन जुर्माना 2013 से लागू कर दिया जो अब एक लाख रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए जुर्माना माफ करने की मांग की है। संरक्षक महावीर यादव ने कहा कि 2808 स्कूलों का पोर्टल बंद होने से छात्रों के ऑनलाइन दाखिले प्रभावित हैं।

एमपी-एमएलए से जुड़े केस ट्रांसफर के निर्देश

हरियाणा में अचानक से 27 जजों को बदला गया

हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा में दिवाली के दिन बड़े स्तर पर जज बदल दिए गए। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की ओर से जारी ट्रांसफर लिस्ट में 27 न्यायिक अधिकारियों के नाम शामिल हैं। ट्रांसफर ऑर्डर में लिखा है कि लिस्ट में 18 नंबर पर मनीष दुआ को छोड़कर अन्य अधिकारी अपने वर्तमान कार्यभार को तुरंत छोड़ कर अपने नए कार्यभार को संभालें। मनीष दुआ का ट्रांसफर एवं नियुक्ति 3 नवंबर 2025 से प्रभावी होगी। ऑर्डर में लिखा है कि संबंधित जिला एवं सत्र न्यायाधीश यह सुनिश्चित करेंगे कि यदि कोई अधिकारी सांसदों, विधायकों के मामलों से निपट रहा है, तो ऐसे



मामलों को वहां निर्धारित अगली तारीख से पहले ही सक्षम क्षेत्राधिकार वाले किसी अन्य न्यायालय को सौंप दिया जाए। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के ऑर्डर में लिखा है कि पंचकूला, फरीदाबाद और गुरुग्राम में विशेष रूप से पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की है। इसका आदेश चाइल्ड रेप की घटनाएं बढ़ने का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वृद्धाश्रम में मनाया दीपोत्सव, वृद्धजनों संग बांटी खुशियां

हरिभूमि ब्यूरो चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीपावली के पावन अवसर पर पंचकूला के सेक्टर-15 स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों के साथ दीपोत्सव मनाया। इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी सुमन सैनी भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने वृद्धजनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्हें मिठाइयों वितरित कीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री सैनी ने वृद्धजनों

के साथ आतिशबाजी कर इस उत्सव की खुशियां सांझा कीं। उन्होंने कहा कि पंचकूला के वृद्धाश्रम में पहुंचकर सम्माननीय वृद्धजनों के साथ दीपोत्सव मनाया एक अत्यंत आत्मीय, प्रेरणादायी और आनंददायक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रेम, स्नेह और आत्मीय संबंधों का प्रतीक है, जो हमें यह सिखाता है कि सच्चा उत्सव वही है, जिसमें हर चेहरे पर मुस्कान और हर हृदय में अपनत्व का प्रकाश झिलमिलता हो।

डीजीपी ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

आज का दिन पुलिस के वीर सपूतों के अदम्य साहस और कर्तव्य परायणता को समर्पित



चंडीगढ़। डीजीपी ओ पी सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों ने पंचकूला की पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 'पुलिस शहीद स्मारक' पर पुष्प चक्र अर्पित कर भारतीय पुलिस बल के देशभर के 191 अमर शहीदों के बलिदानों को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम महानिदेशक ओपी सिंह ने शहीदों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने और एक करोड़ रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है, ताकि परिवार की आजीविका सम्मानपूर्वक चलती रहे और कोई बच्चा शिक्षा या अच्छे मतिष्य से वंचित न हो। हमें बहादुरी की सभ्यता का निर्माण करना है जहां 'शेर और बकरी एक ही घाट पर पानी पीएं' अर्थात् शक्ति और शांति का संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि जैसे शेर को अपनी ताकत पर गर्व होना स्वाभाविक है, वैसे ही बकरी को अपनी असहायता पर अफसोस नहीं होना चाहिए।

सख्ती आने वाले समय में पार्टी के अंदर खींचतान और क्लेश को समाप्त करने की कवायद तेज

अनुशासन के लिए कड़े कदम उठाने की रणनीति तैयार

योगेश शर्मा चंडीगढ़

सूबे की हरियाणा कांग्रेस में अब गुटबाजी और धड़ेबंदी करने वालों की खैर नहीं है। कांग्रेस हाईकमान की ओर से सीधे ही अनुशासन का चार्ज इस्तेमाल करने की खुली छूट नए अध्यक्ष को दे दी। इस क्रम में एक महिला नेत्री पर गाज भी गिराई जा चुकी है। आने वाले समय में पार्टी के अंदर खींचतान और क्लेश को समाप्त करने के क्रम में हरियाणा कांग्रेस में अनुशासन के लिए कड़े कदम उठाने की रणनीति तैयार की गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बर नरेंद्र सिंह की पहल पर अनुशासन कमेटी के गठन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। हाईकमान के निर्देशों के अनुसार प्रस्ताव पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे को भेजा जा चुका है।

हरियाणा कांग्रेस में अब गुटबाजी और धड़ेबंदी करने वालों की खैर नहीं, अध्यक्ष ने महिला नेत्री पर कार्रवाई के लिए संकेत

बड़े नेताओं से लेकर छोटे पर भी शिकंजा



नेताओं के लिए अनुशासन समिति का मामला सिरदर्द भी साबित हो सकता है, क्योंकि हाईकमान ने पीसीसी चीफ को फ्री हँड देकर सभी को एक नजर से देखने और पार्टी हितों को ताक पर रखने वाले छोटे बड़े सभी पर एक समान कार्रवाई का इशारा कर दिया है। जिससे आने वाले वक़्त में कुछ लोगों को तकलीफ भी हो सकती है। राव की नजर अनुभवी और तटस्थ चेहरों पर है। अनुशासनत्मक कार्रवाई कमेटी में पूर्व नीकरशाह, वरिष्ठ वकील और पुराने संगठन कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता के साथ में जवाह दिए जाने का प्रस्ताव है। कमेटी में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाएगा ताकि कोई यह न कह सके कि विशेष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी में आदेश ऊपर से आए और सवाल नीचे से नहीं हों। संदेश साफ है कि अब संगठनात्मक अनुशासन पर कोई समझौता नहीं होगा। हाईकमान भी हरियाणा में इस प्रयोग को लेकर गंभीर है, क्योंकि राज्य में कांग्रेस मतभेदों के कारण चुनावी नुकसान झेल चुकी है।

हरियाणा प्रभारी के माध्यम से प्रस्ताव हाईकमान तक पहुंचाया

हरियाणा मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के माध्यम से प्रस्ताव हाईकमान तक पहुंचाया जा चुका है। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव में प्रदेश के अंदर अनुशासन समिति गठन के लिए आग्रह किया गया है। इसके साथ ही कुछ नाम भी इसमें दिए गए हैं। बताया गया है कि मंजूरी मिलते ही कमेटी का औपचारिक गठन होगा। इसके गठन के साथ ही प्रदेश के अंदर कांग्रेस में कलह और खींचतान पर ब्रेक लगाने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है।

संगठन मजबूत करने पर जोर

अनुशासन कमेटी संगठन को एकजुट करेगी या किसी गुट को किनारे लगाने का जरिया बनेगी? एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'अनुशासन की आड़ में नए समीकरण बन रहे हैं। यह तब करेगा कि अरली बिगड़ंग कितने पास रहें। प्रदेश अध्यक्ष या तुरन्त पॉवर सेंटर्स।

टिकट वितरण और सियासी फैसलों पर भी असर

कमेटी सक्रिय रूप से काम करती है तो यह आने वाले समय में टिकट वितरण और सियासी फैसलों, रणनीति पर भी प्रभाव डाल सकती है। राव नरेंद्र का कहना है कि 'हमारा किसी से व्यक्तिगत विवाद नहीं, लेकिन पार्टी में किसी की निजी सभा नहीं। बात करनी है तो एकता में करें, प्रेस या पब्लिक के सामने नहीं।' यह बयान पूरे संगठन के लिए एक खुला संदेश माना जा रहा है कि कांग्रेस में अब बागी तेवर और सार्वजनिक बयानबाजी पर लगाम लगाई जाएगी। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती संगठन नहीं, गुटबाजी है।

दीपावली पर प्रदेशभर में आग का तांडव, रातभर भागती रहीं दमकल गाड़ियां

हिसार के शोरूम में लगी आग से 50 ई स्कूटी व 100 से ज्यादा बैटरियां जलीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दीपावली के दिन जिलेभर में आग लगने की एक दर्जन से अधिक घटनाएं हुईं। इन घटनाओं में लाखों का सामान राख हो गया। अकेले हिसार शहर में आग की 4 घटनाएं हुईं। बाकी घटनाएं हांसी, बरवाला समेत दूसरे क्षेत्रों में हुईं। दीपावली की रात करीब 9 बजे एशिया की सबसे बड़ी ऑटो मार्केट में स्थित सतगुरु ट्रेडर दुकान में स्थित ई-स्कूटी व बैटरी एजेंसी में शोरूम में भयानक आग लग गई। शोरूम में आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और वहां रखी बैटरियों में ब्लास्ट होने की आवाजें कई दूर तक सुनाई देने लगीं। सूचना पर कुछ विभाग की गाड़ियों तुरंत मौके पर पहुंच गईं। आग अधिक फैली होने के कारण 5 अग्निशमन गाड़ियों मौके पर पहुंच कर आग बुझाने में जुट गईं। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक शोरूम में कई स्कूटी व बैटरियां जलकर राख हो गईं। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शहर थाना प्रभारी मोहम्मद रफीक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

आग अधिक फैली होने से 5 अग्निशमन गाड़ियों मौके पर पहुंचीं

करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया

पहले सोचा पटाखे फोड़ने की आवाज

शोरूम में लगी आग से वहां रखी बैटरियों में ब्लास्ट हो रहा था। दुकानों में दीपावली का पूजन किया जा रहा था। उन्होंने सोचा कि पटाखे फोड़ने की आवाजें आ रही हैं। इतना ही नहीं ई-स्कूटी के जिस शोरूम में आग लगी, उसके मालिक अपने दूसरे शोरूम में दीपावली के पूजन में व्यस्त थे। तभी उन्हें शोरूम में आग लगने की सूचना मिली। आग का कारण शाट सर्किट माना जा रहा है। आग ने ई-स्कूटी शोरूम के ऊपर की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग से एयर कंडीशनर का सामान जल गया।

हिसार : ऑटो मार्केट में ई-स्कूटी के शोरूम में लगी आग



कैथल में पटाखे की आग से जली कार

कैथल। कैथल के सेक्टर 19 में दिवाली की रात को एक कार पर जलता हुआ पटाखा गिरने से लगी आग से कार जल गई। गनीमत रही कि उस समय कार के आसपास कोई व्यक्ति नहीं था, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। जैसे ही कार में आग की लपटें उठीं तो आसपास के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाया। काफी

देर तक कार में आग की लपटें उठती रही। दमकल इंचार्ज कैथल नरेश कुमार ने बताया कि सेक्टर 19 हूडा के एक मकान के बाहर खड़ी एक कार में ऊपर से जलता हुआ पटाखा गिर गया, जिससे देखते ही देखते कार धू-धू कर जलने लगी। आसपास के लोग अपने घरों की छतों पर पटाखे जला रहे थे। पहले कार के बोनट में आग लगी, लेकिन बाद में पूरी कार में फैल गई।

हिसार में पराली जलाने के 4 केस मिले, लगाया जुर्माना

हिसार। जिले में पराली जलाने के मामलों पर पूर्ण रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती का तैयार कर ली है। जिले में अब तक पराली जलाने के चार मामले सामने आ चुके हैं। इन चार मामलों में एक दीपावली से पहले और तीन दीपावली के दिन सामने आए हैं। कृषि विभाग के अनुसार जिले में गांव पाली, संदलाना, मिर्जापुर तथा बिठमड़ा में पराली जलाने के एक-एक केस मिले हैं। इन मामलों में सख्ती करती हुई कृषि विभाग चारों किसानों पर एफ.आई.आर दर्ज करवाएंगे। विभाग के अधिकारियों ने पराली जलाने की लोकेशन को ट्रैक कर मौके का मुआयना किया और किसानों को नोटिस जारी किए हैं। उक्त किसानों पर जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अलावा चारों किसानों की मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रेड झंडी की गई है। विभाग के इस कदम के बाद चारों किसान आज भी फसल एमएचपी पर नहीं बेच सकेंगे। कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि नारनदी के गांव पाली, बरवाला के गांव संदलाना, उकलाना के गांव बिठमड़ा तथा हिसार खंड के गांव मिर्जापुर में पराली जलाने का एक-एक केस आया है।

पटाखे विवाद सुलझाने गई थी टीम पुलिस टीम से धक्का-मुक्की एक कर्मचारी की वर्दी फाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जम्मू कालोनी बी में पटाखा जलाने को लेकर दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। पुलिस ने बीच बचाव किया। इस दौरान एक पक्ष ने पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता की और उनकी वर्दी फाड़ दी। गांधीधरम थाना पुलिस ने दो युवतियों समेत तीन पर केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई मनोज कुमार ने बताया कि रविवार की रात लगभग सवा 11 बजे सूचना मिली कि जम्मू कालोनी बी में दो पक्षों के बीच पटाखा जलाने को लेकर झगड़ा हो गया है। इस पर टीम

पुलिस ने दो महिलाओं समेत तीन पर किया केस, एक गिरफ्तार

के साथ पहुंचे। यहां पता लगा कि एक पक्ष से परमजीत कौर, उसकी बहन गगनदीप कौर व भाई गुरप्रीत सिंह व दूसरे पक्ष से शालिनी व उसके भाई हर्ष के बीच विवाद हुआ है। दोनों पक्ष एक दूसरे को गालियां दे रहे थे। पुलिस ने दोनों का बीच बचाव कराया। इसी दौरान परमजीत कौर पक्ष ने पुलिसकर्मियों से हाथपाई शुरू कर दी और वर्दी फाड़ दी। उन्होंने अन्य पुलिस कर्मियों को बुलाया। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज कर गुरप्रीत को गिरफ्तार कर लिया।



कबाड़ के गोदाम में लगी आग

दीपावली की ही रात को तोशम रोड पर आर्य समाज मंदिर के पास कबाड़ के एक गोदाम में आग लग गई। इसके अलावा शांति नगर स्थित एक मकान में भी आग लग गई, हालांकि जिस समय दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची, उससे पहले लोगों ने अपने स्तर पर ही आग पर काबू पा लिया था। उधर, धोबीघाट के पास एक होटल में भी मम्बूली आग लगी थी। ऑटो मार्केट में सतगुरु ट्रेडर एजेंसी मर्चेंट अंजेजा तथा अमन बुटानी की हिस्ट्रीबरी है और वे करीब दो साल से इसे चला रहे थे। शुरुआती जांच में सामने आ रहा है कि एजेंसी में आग शॉट सर्किट से लगी है। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

हांसी: दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जला

हांसी। हनुमान कॉलोनी स्थित एक कन्फेक्शनरी की दुकान में सोमवार देर रात आग लग गई जिससे दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शाट सर्किट बताया जा रहा है। दुकान में आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान मालिक डडल पार्क निवासी सुभाष ने बताया कि उसने नेहरू कॉलेज के पास हनुमान कॉलोनी में कन्फेक्शनरी की दुकान कर रही है। और सोमवार शाम को अखी प्रकार से दुकान बंद कर घर गया था। रात करीब 1:45 बजे उसे दुकान के पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने फोन पर दुकान से धुआं निकलने की सूचना दी। सुभाष ने बताया कि दुकान से धुआं उठने की सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचा और देखा कि दुकान पूरी तरह आग की चपेट में थी। जिसके बाद उसने तुरंत फायर ब्रिगेड और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इस दौरान हनुमान कॉलोनी क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा



आग लगने से लाखों रुपये का हुआ नुकसान : दुकानदार

दुकानदार सुभाष के अनुसार आग लगने से दुकान में रखे फ्रिज, टीवी, नकदी, चीनी के कट्टे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित दुकान में रखा सारा सामान पूरी तरह जल गए। उन्होंने बताया कि आगजनी की इस घटना में उसे करीब 5 लाख रुपये का नुकसान हो गया। आग लगने का प्रारंभिक कारण शाट सर्किट बताया जा रहा है। वहीं आग की घटना की सूचना मिलने पर सिसया पुल चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम का जायजा लिया। सुभाष ने बताया कि आग की इस घटना ने उनकी जीवनभर की मेहनत को खाक कर दिया है। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे और आर्थिक सहायता की मांग की है, ताकि वह अपने व्यवसाय को फिर से शुरू कर सकें।

बरवाला में फूट विक्रेता के घर में लगी आग

बरवाला। दीपावली की रात को यहाँ नं. 9 पुरानी सब्जी मंडी वाली बाली में स्थित सब्जी व फ्रूट विक्रेता के घर में पटाखों से निकली चिंगारी के चलते अचानक आग लग गई। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही मौके पर ही मौजूद युवकों ने और परिजनों के अथक प्रयासों से पानी से इस आग पर काबू पा लिया गया। इस आग के लगने से मकान मालिक सब्जी व फ्रूट विक्रेता को लाखों रुपये का नुकसान हो गया। इस आग के लगने की सूचना पाते ही बरवाला पुलिस मौके पर पहुंची और नगरपालिका चेरमेन रमेश बैटरीवाला मौके पर पहुंचे। मकान मालिक सब्जी व फ्रूट विक्रेता ने डायल 112 नंबर न उठाने का आरोप लगाया। इसकी वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर देरी से पहुंची। मकान मालिक हर भगवान उर्फ टिटू रहेजने ने बताया कि दीपावली की रात को लगभग सवा 11 बजे उसकी बहू बाथरूम में पानी लेने गईं तो बाथरूम में आग लगने का पता चला। शोर-शराबा सुनकर मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। डायल 112 को फोन किया गया परन्तु डायल 112 के न उठाए जाने पर बरवाला एसएचओ को फोन किया गया।



दीवाली की रात पटाखा जलाते हुए दर्दनाक हादसा महिला झुलसी



सोनीपत। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को रोहतक लेकर जाते परिजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

दीवाली की रात खुशियों के बीच एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिले के गांव टांडा में पटाखा जलाने के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में एक प्रवासी महिला मजदूर बुरी तरह झुलस गई। हादसे में महिला करीब 80 फीसदी तक जल गई, जिसे गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। जहां उसे प्राथमिक उपचार के बाद

सोनीपत की घटना, खुशिया मातम में बदली पीड़ित महिला के बेटे ने पटाखा जलाया तो कपड़ों में लगी आग

उसकी हालत नाजुक होने के चलते रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। महिला का नाम सुनीता है, जो उत्तर प्रदेश की रहने वाली है और परिवार सहित सोनीपत के गांव टांडा में मजदूरी कर जीवनयापन करती है। दीवाली की रात सुनीता का बेटा घर के बाहर पटाखे जला रहा था। इसी दौरान एक पटाखे की चिंगारी पास में रखे सीमेंट के खाली कट्टे पर जा गिरी, जिससे उनमें आग लग गई। सुनीता घर के अंदर चूल्हे पर खाना बना रही थी।

हादसे में महिला करीब 80 फीसदी तक जल गई, हालत गंभीर

उसने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने पर वह उसकी चपेट में आ गई। आग लगने के बाद परिवार ने किसी तरह उसे बाहर निकाला और तुरंत नागरिक अस्पताल, सोनीपत पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि हादसा इतना अचानक हुआ कि कोई कुछ समझ ही नहीं पाया। उन्होंने बताया कि सुनीता की आर्थिक स्थिति कमजोर है और वह रोजाना मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करती है। हादसे के बाद पूरे परिवार पर दुखों का साया छा गया है।

अस्पताल में पटाखों से घायल हुए 31 लोग पहुंचे

दीवाली पर्व पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। जिसमें अलग-अलग स्थानों से बच्चे, महिला सहित अन्य पटाखों जलाने से घायल हो गए। जिन्हें परिजन लेकर नागरिक अस्पताल व निजी अस्पताल में पहुंचे। नागरिक अस्पताल में करीब 31 लोग आतिश बाजी में घायल होकर पहुंचे। पटाखों से घायल होकर 31 लोग अस्पताल में पहुंचे।

इनको उपचार देकर घर भेज दिया

घायलों में संदीप, जय, राकेश, नपू तिवारी, विराग, मोहित, मनोष, लव्या, अरमान, अरुण, प्रेमलता, केशव, विनीत, आर्यन, तनिष्क, दिनेश, नरेश, सोनी देवी, निशित, याकूब, महिमा, लक्का, सुदेश, राहुल, यज, हेमंत, सुनीता, अनीता, अमन, लविश व नरेंद्र को उपचार देकर घर भेज दिया गया।

झज्जर में कई जगह आगजनी की घटनाएं एक स्कूटी भी जलकर खाक



झज्जर - जिले भर में पटाखे चलाने के दौरान कई स्थानों पर आग लगी। लेकिन दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचते हुए जल्द ही आग पर काबू पा लिया। जिसके कारण कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ। जिले के धौड़ गांव में आग लगने से एक मोटरसाइकिल जल गई। साथ ही कई गांवों में भी आगजनी की घटनाएं सामने आईं जिनमें खेड़ी खुम्मार गांव, लड़ा गांव और मांगावास गांव में लकड़ियों में आग लगी गई।

स्टेप के गोदाम में अचानक लगी आग से लाखों का सामान स्वाहा



अंबाला। अंबाला शहर में देर रात मंजी साहिब गुरुद्वारे के पास स्थित एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने के कुछ ही देर बाद लपटें इतनी तेज हो गईं कि आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। ये गोदाम स्टेप का था। यहां पर पुराने प्लास्टिक और टायर जमा थे। आग के बाद सारा सामान जल गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। रात के समय आग की ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। फायर ऑफिसर तरसेन राणा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग की तीव्रता को देखते हुए बाद में दो और गाड़ियां बुलाई गईं। करीब दो घंटे की प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के समय गोदाम बंद था। किस कारण से आग लगी, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। कुछ लोगों का कहना है कि गोदाम के भीतर शॉट सर्किट के चलते आग लगी होगी।

पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की अंबाला में युवती का अधजला शव मिला, केमिकल से जलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पंजाब सीमा से सटे नगला गांव के पास एक युवती का शव अधजली अवस्था में पाया गया। घटना की जानकारी राहगीर ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक को तब हुई जब उसने खेतों के बीच युवती के पैरों को देखा। इसके बाद उसने शोर मचाया। शोर सुनकर खेत में बने एक मकान से परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। तब डायल-112 को सूचित किया।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार पुलिस टीम के पहुंचने पर पाया गया कि शव के पैरों से ऊपर का हिस्सा केमिकल डालकर जलाया गया है। इस कारण पहचान करना कठिन हो गया है। पुलिस ने हत्या का शक जाहिर किया है। महेश नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र ने बताया कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवती की हत्या पहले की गई और उसके बाद शव को जलाया गया या जलाने के कारण उसकी मौत हुई। शिनाखत के लिए फोरेंसिक टीम और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पोस्टमॉर्टम के बाद ही हत्या की वृत्तिक वजह और समय का पता चल पाएगा। पुलिस ने घटना स्थल और इलाके के सीसीटीवी खंगाल रही।

यमुनानगर में सिंगापुर से दिवाली मनाने आए युवक की मौत

यमुनानगर। दिवाली की रात दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। दोस्तों से मिलने के लिए स्कूटी से जा रहा था। रास्ते में स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई और वह सड़क पर जा गिरा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को सिविल अस्पताल ले जाया गया, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद युवक के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। मृतक की पहचान भारत सेवक नगर निवासी गोविंद राजपूत (22) के रूप में हुई है। वह 2 बहनों का इकलौता भाई था। वह सिंगापुर में पढ़ाई करता था। दिवाली मनाने के लिए वह घर आया था। 5 दिन बाद ही उसे लौटना था। गोविंद के जीजा श्रवण कुमार ने बताया कि दिवाली की रात को घर पर जश्न का माहौल था। देर रात तक सभी जाग रहे थे। रात करीब एक बजे गोविंद को उसके किस्सी दोस्त का कॉल आया। गोविंद कहकर गया कि 5 मिनट में आ रहा हूँ। इसके बाद वह सुबह तक घर नहीं आया। परिवार ने आगे बताया कि गोविंद के वापस आने पर श्रवण को लगा कि शायद वह पड़ोस में ही अपने चाचा के घर पर सो गया है। श्रवण ने बताया कि गोविंद के मोबाइल में कोई सिम नहीं था।

फॉरचूनर, क्रेटा और आई-20 गाड़ियां जब्त कीं अंबाला में डकैती मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

सीआईए स्टॉप वन की बड़ी कारवाई, खुलासा अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्य काबू किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल तीन गाड़ियां फॉरचूनर, क्रेटा व आई-20 जब्त की हैं। दरअसल पुलिस ने थाना बलदेव नगर में दर्ज डकैती के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी बेअंत सिंह उर्फ प्रीत, दीपक व कपिल को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन ने आरोपियों को 5 दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से बताया कि वे पंजाब, उत्तरप्रदेश, हरियाणा व उतराखंड की अन्य वारदातों में भी संलिप्त हैं। अब तक 9 को गिरफ्तार किया गया है।

सीआईए स्टॉप वन की बड़ी कारवाई, खुलासा



सीआईए-1 निरीक्षक हरजिंद सिंह ने बताया कि इस मामले में शिकारकर्ता विधम निवासी जोनपुर यूपी ने 26 अगस्त 2025 को शिकारकर्ता दर्ज करवाया था कि होटल रिजेटा के सामने आरोपी सुभाष उर्फ संजय कुमार उर्फ सोनू उर्फ मुंशी ने मारपीट करते हुए डरा धमका कर उससे 4 लाख 97 हजार रुपये की रकम लूट ली है। इस शिकार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

सप्ताह पहले राजकीय कॉलेज में दिखा था, शिकार के चक्कर में पिंजरे में फंसा बावल में दिवाली के दिन पकड़ा तेंदुआ

एक सप्ताह से भी अधिक समय से जंगली जानवर के कारण दहशत में थे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

एक सप्ताह से भी अधिक समय से जंगली जानवर के कारण दहशत का सामना कर रहे कॉलेज के आसपास के लोगों को दिवाली के दिन उस समय राहत मिल गई, जब कॉलेज परिसर में देखा गया तेंदुआ शिकार के चक्कर में पिंजरे में कैद हो गया। वन्य प्राणी विभाग की टीम अरावली वन क्षेत्र में छोड़ने के लिए तेंदुआ को अपने साथ ले गई। लगभग 15 दिन बावल के राजकीय कॉलेज में एक जंगली जानवर के निशान देखे गए थे।

एक सप्ताह से भी अधिक समय से जंगली जानवर के कारण दहशत में थे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

एक सप्ताह से भी अधिक समय से जंगली जानवर के कारण दहशत का सामना कर रहे कॉलेज के आसपास के लोगों को दिवाली के दिन उस समय राहत मिल गई, जब कॉलेज परिसर में देखा गया तेंदुआ शिकार के चक्कर में पिंजरे में कैद हो गया। वन्य प्राणी विभाग की टीम अरावली वन क्षेत्र में छोड़ने के लिए तेंदुआ को अपने साथ ले गई। लगभग 15 दिन बावल के राजकीय कॉलेज में एक जंगली जानवर के निशान देखे गए थे।



कॉलेज परिसर में घूमने वाले कई कुत्ते गायब हो गए थे

कॉलेज परिसर में घूमने वाले कई कुत्ते गायब हो गए, जबकि वहां खड़े घने पेड़ों के बीच कुत्तों के अवशेष भी पाए गए थे। इसके बाद से ही कॉलेज स्टाफ व विद्यार्थियों में दहशत का माहौल बना हुआ था। सूचना मिलने के बाद इलाहाबाद वन्य प्राणी विभाग से एक टीम आई थी। परंतु यह टीम पंजों के निशान का सही आकलन नहीं कर पाई थी। कॉलेज के एक कर्मचारी को एक सप्ताह पूर्व रात के समय सीसीटीवी कैमरे में एक जंगली जानवर कॉलेज परिसर की दीवार फांदते नजर आया था। उसने रात को ही कॉलेज प्राचार्य को इसकी सूचना दी।

टीम गुरुग्राम से भी बुलाई गई थी

इसके बाद पुलिस व वन्य प्राणी विभाग की टीम को सूचित किया गया। रात को ही पुलिस और वन्य प्राणी विभाग की टीम कॉलेज पहुंची थी। सर्व अभियान शुरू किए जाने के बाद भी तेंदुआ पकड़ने में नहीं आया था। इलाहाबाद से वन्य प्राणी विभाग के इंस्पेक्टर चरणसिंह मौके पर पहुंचे थे। बाद में उन्होंने एक टीम गुरुग्राम से भी बुलाई थी। गुरुग्राम से इंस्पेक्टर कुपण के नेतृत्व में एक टीम आई हुई थी। जिस समय पिंजरा लगाकर तेंदुआ का इंतजार किया जा रहा था, उस समय लोगों की भारी भीड़ नजारा देखने के लिए पहुंच गई थी। इस दौरान मौके पर पुलिस की टीम भी मौजूद रही।

ते ने दहाड़ सुनकर तोड़ा दम

वन्य प्राणी विभाग ने बकरियां बांधकर पिंजरे में पहुंचाया

वन्य प्राणी विभाग के अधिकारियों को सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद यकीन हो गया था कि कॉलेज परिसर में देखा गया जानवर तेंदुआ ही है। उसे जाल में फंसा देने के लिए पिंजरा लगाकर दो बकरियां बांधी थीं। इन बकरियों को शिकार करने के लिए तेंदुआ देहाड़ गारते हुए वहां पहुंचा, तो डर से ही बकरियों ने दम तोड़ दिया। इसके बाद तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। गुरुग्राम की टीम उसे अरावली के घने वन क्षेत्र में छोड़ने के लिए साथ ले गई। इसके बाद कॉलेज व आसपास के परिया के लोगों ने राहत की सांस ली।

खबर संक्षेप



नचिकेत एलटीआईआईडी के पूर्णकालिक निदेशक अध्यक्ष पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। एलटीआईआईडी ने मंगलवार को बताया कि उसके पूर्णकालिक निदेशक और अध्यक्ष नचिकेत देशपांडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जो 31 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा। आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि देशपांडे ने नए अवसरों की तलाश के लिए पद छोड़ा है। एक बयान के अनुसार, 'नचिकेत देशपांडे ने एलटीआईआईडी से परे नए अवसरों की तलाश के लिए निदेशक और अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है, जो 31 अक्टूबर, 2025 से प्रभावी होगा।'

चीन के निर्यात रोक से भारत में उर्वरकों की कीमतें उछली

नई दिल्ली। चीन के 15 अक्टूबर से यूरिया और विशेष उर्वरकों के निर्यात को निलंबित करने के बाद भारत महत्वपूर्ण रबी (सर्दियों) फसल के सत्र से पहले उर्वरक की बढ़ी हुई कीमतों से निपटने की तैयारी कर रहा है। उद्योग जागत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। चीन ने 15 मई से 15 अक्टूबर तक बड़े हुए निरीक्षणों के साथ उर्वरक निर्यात हाल ही में फिर से शुरू किया था, हालांकि उसने अब अगली सूचना तक निर्यात को निलंबित कर दिया है जिससे न केवल भारत बल्कि वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।



नई दिल्ली। चीन के 15 अक्टूबर से यूरिया और विशेष उर्वरकों के निर्यात को निलंबित करने के बाद भारत महत्वपूर्ण रबी (सर्दियों) फसल के सत्र से पहले उर्वरक की बढ़ी हुई कीमतों से निपटने की तैयारी कर रहा है। उद्योग जागत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। चीन ने 15 मई से 15 अक्टूबर तक बड़े हुए निरीक्षणों के साथ उर्वरक निर्यात हाल ही में फिर से शुरू किया था, हालांकि उसने अब अगली सूचना तक निर्यात को निलंबित कर दिया है जिससे न केवल भारत बल्कि वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

1,200 करोड़ रुपये में ई-बस विनिर्माण संयंत्र

जयपुर। राजस्थान सरकार ने कोटपतली-बहरोड़ जिले के धिलोड औद्योगिक क्षेत्र में पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सॉल्यूशंस को 1,200 करोड़ रुपये की लागत से इलेक्ट्रिक बस विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए लगभग 65 एकड़ भूमि आवंटित की है। यह राजस्थान में अपनी तरह का पहला संयंत्र होगा। यह आवंटन राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के माध्यम से किया गया है और 'राष्ट्रिय राजस्थान' वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

5.40 लाख करोड़ उत्पाद बिके, 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए दिवाली पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ की हुई बिक्री : कैट

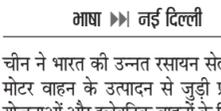
माषा नई दिल्ली

इस साल भारत में दिवाली के मौके पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री, जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। व्यापारियों के संगठन कैट ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने एक बयान में कहा कि हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास के कारण इस साल दिवाली पर रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के

चीन ने भारत की पीएलआई योजनाओं को डब्ल्यूटीओ मानदंडों का बताया उल्लंघन

माषा नई दिल्ली

चीन ने भारत की उन्नत रसायन सेल बैटरी, मोटर वाहन के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की नीति की कुछ शर्तों को वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन बताते हुए इनके खिलाफ विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है। जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन के एक पत्र के अनुसार, चीन ने विश्व व्यापार संगठन के विवाद निपटान तंत्र के तहत इन उपायों पर भारत के साथ पारदर्शिता की मांग की है। चीन ने कहा कि भारत द्वारा अपनाए गए उपाय आयातित वस्तुओं की तुलना में घरेलू वस्तुओं के उपयोग पर निर्भर हैं और चीन में बने सामानों के साथ भेदभाव करते हैं। ये उपाय एससीएम (सब्सिडी एवं प्रतिपूरक उपाय)



समझौते, जीएटीडी (शुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता) 1994 और टीआरआईएम (व्यापार-संबंधित निवेश उपाय) समझौते के तहत भारत के दायित्वों के अनुरूप नहीं प्रतीत होते हैं। डब्ल्यूटीओ के 20 अक्टूबर के पत्र में कहा गया, "उपरोक्त पहलुओं के परिणामस्वरूप विवादित कदम उल्लिखित समझौतों के तहत चीन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मिलने वाले लाभों को निष्प्रभावी या कम करते प्रतीत होते हैं।" इसमें कहा गया कि चीन, भारत का जवाब मिलने तथा परामर्श के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर सहमति बनने की उम्मीद कर रहा है।

दिल्ली में पटाखों की बिक्री में उछाल, आरडब्ल्यूए ने नियम उल्लंघन पर जताई चिंता

माषा नई दिल्ली

दिवाली पर दिल्ली में पटाखों की बिक्री में तेजी देखी गई। व्यापारियों ने बताया कि कारोबार तेज रहा और ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं, रजिस्टर्ड वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने पटाखे फोड़ने की समयसीमा के उल्लंघन और बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गौल के अनुसार, इस त्योहारी मौसम में पटाखों की भारी मांग रही। उन्होंने कहा, 'दिवाली से एक दिन पहले ही, ज्यादातर व्यापारियों के पास स्टॉक खत्म हो गया था। कई लोगों को पटाखे खरीदने के लिए गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद और सोनीपत जाना पड़ा।'

व्यापारी बोले, कारोबार तेज रहा और ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी

रोशनी और सजावटी सामान भी खूब बिका

पक्की ने कहा, 'पटाखों के साथ-साथ रोशनी और सजावटी सामान जैसे चीजों की भी मांग बढ़ी है।' उच्चतम न्यायालय ने 15 अक्टूबर को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में त्योहारों की परंपराओं और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाने हुए कुछ शर्तों के तहत हरित पटाखों की बिक्री और फोड़ने की अनुमति दी थी। अदालत के आदेश के अनुसार, दिवाली से एक दिन पहले और दिवाली के दिन हरित पटाखों का इस्तेमाल कुछ खास घंटों तक ही सीमित था-सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच और रात 8 बजे से 10 बजे के बीच। 18 से 21 अक्टूबर के बीच हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति थी। हालांकि, आरडब्ल्यूए ने कहा कि नियमों का व्यापक रूप से उल्लंघन किया गया।



वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच एक घंटे चला विशेष मुहूर्त कारोबार

नए संवत् वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक कारोबार में सेंसेक्स व निफ्टी में मामूली बढ़त

माषा मुंबई

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इससे नए संवत् वर्ष 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक या 0.07 प्रतिशत चढ़कर 84,426.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,665.44 अंक के उच्चतर तक गया और 84,286.40 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,868.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक शेयर अपरिवर्तित रहा। बीएसई और एनएसई ने नए संवत् वर्ष 2082 की शुरुआत में विशेष मुहूर्त सत्र आयोजित किया।

निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ, जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए

इस मुहूर्त ट्रेडिंग में क्या खरीदें

हर साल निवेशक ब्लू चिप कंपनियों मिड कैप और एफएसजीजी सेक्टर के शेयरों में रुचि दिखाते हैं। कई लोग गोल्ड इंटीएफ, म्यूचुअल फंड या आईपीओ जैसे विकल्पों में भी टोकन इन्वेस्टमेंट करते हैं। अगर आप इस दिवाली निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं, तो ये एक अच्छा मौका हो सकता है बशर्ते आप सोच-समझकर और रिसर्च के साथ निवेश करें।

बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42 प्रतिशत की वृद्धि

बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42 प्रतिशत वृद्धि हुई। एचिसस बैंक में 0.80 प्रतिशत, इन्फोसिस में 0.72 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.60 प्रतिशत, टाटा मोटर्स में 0.55 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 0.53 प्रतिशत और टाटा स्टील में 0.52 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सुजुकी इंडिया, ट्रेड लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

एशियाई बाजार में भी बढ़त

एशियाई बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। चीन का शेयाई कम्पोजिट 1.36 प्रतिशत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.77 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.24 प्रतिशत और जापान का निक्की 225, 0.15 प्रतिशत चढ़ा। अमेरिकी बाजार सोमवार को मजबूत रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थानत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 790.45 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे जबकि घरेलू संस्थानत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,485.46 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर एफआईआई को पीछे छोड़ दिया।

मुहूर्त ट्रेडिंग धार्मिक आस्था और आर्थिक सोच का मेल

मुहूर्त ट्रेडिंग न सिर्फ एक ट्रेडिंग सेखन होता है, बल्कि ये धार्मिक आस्था और आर्थिक सोच का मेल भी है। इस दिन कई निवेशक शेयर खरीदने को शुभ मानते हैं और छोटे-बड़े टोकन इन्वेस्टमेंट करते हैं। माना जाता है कि इस समय किया गया निवेश नई एनर्जी और पॉजिटिव शुरुआत लाता है। हालांकि आंकड़ों के हिसाब से यह जरूरी नहीं कि इस दिन निवेश करने से ज्यादा रिटर्न मिले, लेकिन इसकी अहमियत बहुत ज्यादा है।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन सितंबर में तीन प्रतिशत बढ़ा

माषा नई दिल्ली

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में मासिक आधार पर पटकतर तीन प्रतिशत पर आ गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सालाना आधार पर सुधरी है लेकिन मासिक आधार पर इसमें

की गई थी। सितंबर में इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर तीन माह में सबसे कम रही। इसके पीछे कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादन एवं प्राकृतिक गैस के उत्पादन में आई नरमी की अहम भूमिका रही। उर्वरक और सीमेंट उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में धीमी होकर क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत रह गई जबकि सितंबर, 2024 में यह क्रमशः 1.9 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, इस्पात और बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर क्रमशः 14.1 प्रतिशत और 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर गिरकर 2.9 प्रतिशत पर आ गई।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विवेकसंगतता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC) IN THE COURT OF Ms. Mansi Gaur Additional Civil Judge (Senior Division), GANAU RAMEHAR Vs. ROHTASH KUMAR etc CNR No. HRSOAO-354-2023 CS/271/2023 Next Date : 03.11.2025 It prayed that a decree for permanent injunction may kindly be passed in favour of the plaintiff and against the defendants, by restraining the defendants from dispossessing the plaintiff by encroaching upon the special heredit No.1419/1366 as mentioned in sub-para No.1 of para No.1 of the plaint by way of fencing the Iron wire around it or in any other manner, illegally and forcibly, in the interest of justice. PUBLICATION ISSUED TO :- 2. Pop Singh S/o Kanwal Singh S/o Nathva resident of Village Surehra, Tehsil & Distt. Najafgarh, Delhi-110043 In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on 03.11.2025 at 10:00 a.m. For details log on to https://highcourtdelhi.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonapat Sd/-Additional Civil Judge (Senior Division), GANAU Dated, this day of 15.10.2025

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC) IN THE COURT OF Ms. Mansi Gaur Additional Civil Judge (Senior Division), GANAU SHANYA Vs. GENERAL PUBLIC CNR No. HRSOAO-000518-2025 H.m.g.Acl/11/2025 Next Date : 01.11.2025 It prayed that in view of the facts and humble submissions made above petitioner Smt. Pralitha may kindly be allowed to sell the share of the minor (Shanya minor daughter of Vikash Ranjaya) H.No.26/564, West Ram Nagar, Sonapat) & the petitioner Pralitha undertakes to bind herself to any condition as may be imposed by this Hon'ble Court. PUBLICATION ISSUED TO :- General Public GANAU, Distt., Sonapat, Haryana In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on 01.11.2025 at 10:00 a.m. For details log on to https://highcourtdelhi.gov.in/?trs=district_notice&district=Sonapat Sd/-Additional Civil Judge (Senior Division), GANAU Dated, this day of 15.10.2025

जिला परियोजना संयोजक समग्र शिक्षा, रेवाड़ी

वर्ष 2025-26 हेतु 05 शैक्षिक स्वयंसेवकों हेतु मानदंड आधार पर निश्चित समयावधि के लिये योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। योग्य आवेदक अपने सभी सत्यापित दस्तावेज कार्यालय जिला परियोजना संयोजक, समग्र शिक्षा, जिमखाना क्लब रोड, सेक्टर-4, रेवाड़ी में दिनांक 27.10.2025 सांय 05 बजे तक जमा कराएं। पदों तथा योग्यता की विस्तृत जानकारी तथा आवेदन करने हेतु निर्धारित प्रपत्र दिये गये ब्युआर कोड को स्कैन करके तथा लिंक पर क्लिक करके प्राप्त कर सकते हैं। सभी निर्णय / अधिकार गठित कमेटी द्वारा अन्तिम समझे जायेंगे। अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें फोन नं 01274-298922 मो नं 9416417326

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रेवाड़ी

रपट नम्बर 27 दिनांक 17.10.2025 U/S 194 BNSS थाना शहर रेवाड़ी। नामपता नामालुम नाश की पहचान हेतु माता पिता का नाम- नामालुम उम्र-करीब 80 वर्ष, कद-5 फुट, 7 इन्च हुलिया- रंग सांवला, लम्बुतरा चेहरा, दुबला पतला शरीर, माथे पर एक सफेद पच्ची चिपकाई हुई। पहनावा - हल्का पीले रंग की कमीज, ग्रे रंग की पेंट और हल्की सफेद दाढ़ी है। दिनांक 12.10.2025 को एक लालचित्री शख्स उम्र करीब 80 साल पुरुष, ऑटो मार्केट रेवाड़ी थाना सेक्टर, रेवाड़ी से रफर होकर दाखिल PGIMS रोहतक था। जिसका इलाज के दौरान दिनांक 16.10.2025 को 11.28 पी.एम. पर PGIMS रोहतक में मौत हो गई थी। जिसको पहचान हेतु PGIMS रोहतक की मोर्चरी में रखवाया हुआ है। अगर किसी इलाका थाना में उक्त हुलिया की कोई गुप्तसूत्री दर्ज हो या किसी को इसके बारे में पता या इसकी सूचना मिले तो निम्नलिखित फोन नम्बरों पर सम्पर्क करने की कृपा करें।

- 1. प्रबन्धक थाना शहर रेवाड़ी मो.नं.7056666121
- 2. ईन्चार्ज पुलिस चौकी भाड़ावास गेट, रेवाड़ी मो.नं. 7056666134
- 3. कंट्रोल रूम रेवाड़ी मो. 01274-225156, 9306952004 पीआरडीएफ 1084/11/4033/2026/39636/88/6 दि. 21.10.2025

भारतीय खेल प्राधिकरण SPORTS AUTHORITY OF INDIA भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS (An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports) (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय) (HUMAN RESOURCES DIVISION -II) (मानव संसाधन प्रभाग -II) मुख्यालय, द्वार सं. 10 (पूर्वी द्वार), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003

फाइल सं. 01-04001(01)/6/2021- मुख्यालय कार्मिक प्रभाग दिनांक: 07-10-2025 भारतीय खेल प्राधिकरण SAI लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, करियावटम, तिरुवनंतपुरम में सहायक प्राध्यापक (शारीरिक शिक्षा) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। भारतीय खेल प्राधिकरण SAI लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, करियावटम, तिरुवनंतपुरम में सहायक प्राध्यापक (शारीरिक शिक्षा) के पदों पर नियमित आधार पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। कुल 06 पद (4-सामान्य, 1-OBC, 1-EWS) हैं। पात्र और योग्य भारतीय नागरिक अपनी पात्रता, अनुभव, स्व-सत्यापित प्रमाणपत्र/दस्तावेज और पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 09-10-2025 (सुबह 10 बजे) से प्रारंभ होगी और अंतिम तिथि 08-11-2025 (शाम 5 बजे) है। पदों की संख्या केवल संकेतात्मक है और SAI सांख्यिक कार्यक्रम के अनुसार नियुक्ति करेगा। योग्यता UGC विनियम, 2018 के अनुसार होगी। SAI बिना किसी कारण बताए इस विज्ञापन को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखता है। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी और ऑनलाइन आवेदन के लिए वेबसाइट देखें: www.sportsauthorityofindia.nic.in विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मापदंड, आवेदन प्रपत्र एवं निर्देश भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia.nic.in) पर उपलब्ध होंगे। CBC 47103/12/0015/2526

भारतीय खेल प्राधिकरण SPORTS AUTHORITY OF INDIA भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS (An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports) (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय) (HUMAN RESOURCES DIVISION -II) (मानव संसाधन प्रभाग -II) मुख्यालय, जे एन स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, गेट नं. 10, लोधी रोड, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110003 फाइल संख्या: 01-04001(03)/12/2025-66 दिनांक: 30-09-2025 File No. 01-04001(03)/12/2025-66 Date: 30-09-2025 भारतीय खेल प्राधिकरण भर्ती-कार्यकारी निदेशक पद भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), जो युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है, अपने मुख्यालय (नई दिल्ली) एवं विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में निदेशक के 08 पदों को भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। यह पद वेतन मैट्रिक्स लेवल-13A, ₹1,33,100 - ₹2,16,600 (पे-बैंड-4, ₹37,400-₹67,000 + ₹8,900/- ग्रेड पे) पर प्रतिनियुक्ति (डिप्यूटेशन) सहित अल्पकालीन अनुबंध के आधार पर 03 वर्षों की अवधि के लिए भरे जाएंगे। पात्र अधिकारी निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन निदेशक (मानव संसाधन प्रभाग-1), कक्षा संख्या-210, भारतीय खेल प्राधिकरण, जे.एन. स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, गेट-10, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 पर भेज सकते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर, 2025 (शाम 5:00 बजे तक) है। विस्तृत विज्ञापन, पात्रता मापदंड, प्रारूप एवं निर्देश SAI की वेबसाइट (www.sportsauthorityofindia.nic.in) पर उपलब्ध होंगे। CBC 47103/12/0014/2526

जियो-बीपी की पेट्रोल, डीजल की बिक्री जुलाई-सितंबर में 34 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और प्रमुख इंधन कंपनी बीपी के संयुक्त उद्यम जियो-बीपी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री में 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। संयुक्त उद्यम अपने खुदरा नेटवर्क का आक्रामक रूप से विस्तार कर रहा है। समीक्षाधीन तिमाही के वित्तीय परिणामों की

घोषणा के बाद कंपनी द्वारा निवेशकों के समक्ष प्रस्तुतीकरण के अनुसार, जुलाई-सितंबर में जियो-बीपी ने 18 लाख किलोलिटर पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री दर्ज की जो एक साल पहले की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, कंपनी को अच्छे मुनाफे से भी मदद मिली।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना क्र. बॉर्ड/निगम/सं. प्राधि. का नाम कार्य सूचना निविदा का नाम बुलने की तिथि दर्द होने की तिथि (समय) मो./एम्प्लॉ (लाभा) रु. बॉर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट नोटर अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल 1 दि शाहाबाद सहकारी चीनी मिल्स लि., कुरूक्षेत्र पिराई सीजन 2025-26 हेतु सोलिल रोड्स और गान मैल बुजुगे की खरीद के लिए वार्षिक दर अनुबंध + 3 कार्य। 18.10.2025 27.10.2025 रु. 1,30,000/- https://tenders.hry.nic.in scsrpr@gmail.com 9466114105

चिंतन

फिर से देखने लगा है गंगा जमुनी तहजीब का नजारा

भारत को गंगा-जमुनी तहजीब का देश कहा जाता है। इस शब्द समूह का उपयोग सबसे पहले 19वीं सदी में भारतीय इतिहास में विभिन्न समुदायों के अंतरसंबंधों और देश में सांझा संस्कृति के उदय के लिए किया गया था। भारत दुनिया के सबसे विविधवर्णी देशों में से एक है। हमारे देश में लगभग 4,600 विभिन्न जातियों/समुदायों के लोग निवास करते हैं। उनकी नस्ल, जाति अथवा समुदाय पूरी तरह अलग-अलग हैं। इसके बावजूद देश में पुरातन काल से ही विभिन्न समुदायों के बीच वैवाहिक संबंध होते आए हैं। हमारे देश में लगभग 18 मुख्य भाषाएं और 700 से ज्यादा बोलियां प्रचलित हैं। यहां कम से कम आठ धर्मों के लोग निवास करते हैं और पहनावे और खानपान की विविधता दिमाग को चकरा देने वाली है। गंगा-जमुनी तहजीब के मायने मुख्यतः हिन्दू मुस्लिम एकता को लेकर भी किए जाते रहे हैं। बीते लंबे समय से दोनों समुदाय में खाई भी लंबी हुई है। दोनों ओर से समाज के रहनुमा कहे जाने वाले चंद नेता जहर उगलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। क्योंकि उनकी सियासत ही विभाजन पर टिकी है, लेकिन आज भी अनेक ऐसे मौके आते हैं, जब ये एकता हैरान करने वाली होती है। अब एक बार फिर ऐसा ही अवसर है और इसके कर्णधार हैं हिन्दू संत स्वामी प्रेमानंद। उनके चाहने वालों में सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। उनके राधेभय प्रेम का असर मुसलमानों पर भी पड़ता है। यही कारण है कि प्रेमानंद की किडनी खराब होने पर कई मुसलमानों ने दान तक देने की इच्छा जाहिर की थी। बीते कई दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही है। एक तरफ हिंदू अनुयायी जहां दिन-रात स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं तो वहीं मुस्लिम अनुयायियों ने भी कंधे से कंधा मिला लिया है। हरिद्वार के पिरान कलिबर दरगाह साबिर पाक में अच्छी सेहत की कामना लिए हुए चादर चढ़ाई गई। हरिद्वार के कलिबर में भी मुस्लिम समाज के लोगों ने प्रेमानंद महाराज के दीर्घायु और जल्द स्वस्थ होने की दुआ मांगी। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने हाथों में संत प्रेमानंद महाराज की तस्वीर लेकर दरगाह साबिर पाक ने चादर और फूल पेश कर उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ मांगी। संत प्रेमानंद पॉलीसिस्टिक किडनी रोग नामक गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, जिसके कारण उन्हें हर रोज डायलिसिस करानी पड़ती है। 2006 में पेट दर्द के बाद यह बीमारी सामने आई थी। उनका स्वास्थ्य कई दिनों से ठीक नहीं होने से देशभर में उनके भक्त मासूम हो गए। उनकी सेहत में बेहतरी के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। इन्होंने दुआओं का असर था कि संत प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में सुधार हो गया है। अब वे फिर से अपने भक्तों से मिलने लगे हैं। एक संत के कारण ही सही प्रेमचंद का 'हिन्दू-मुस्लिम एकता' पर 1931 में लिखा, आज उसी तरह चरित्रार्थ होता दिख रहा है। आसान नहीं है यह समझना कि उन्होंने 94 साल पहले कैसे देख लिया था कि हम गलत इतिहास पढ़कर एक-दूसरे के प्रति गलतफहमियां दिल में भरे हुए हैं। असल में यह बात हमारे अंदर दस दी गई है कि हिन्दू और मुसलमान हमेशा से दो विरोधी दलों में विभाजित रहे हैं, हालांकि ऐसा कहना सत्य का गला घोटना है। यह बिलकुल गलत है। असल में कुछ कड़वे तथ्यों को छोड़ दिया जाए तो दोनों समुदाय हर दुःख में साथ रहे हैं। दोनों में देश के विकास में अहम योगदान दिया है। दोनों समुदायों के वीर जवानों ने देश की रक्षा की है। संत प्रेमानंद के बहाने ही सही दोनों समुदाय एक दूसरे के करीब आ रहे हैं तो उम्मीद की जानी चाहिए कि ये प्रेम अटल रहेगा, जिसकी देश को सबसे ज्यादा जरूरत है।



जन-जागरण
प्रो. आरके जैन

आज का अमेरिका एक भीषण तूफान के चक्रव्यूह में फंसा है। नए सरकारी आदेशों ने संसद को हाशिए पर धकेल दिया, जैसे लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा हो। इमीग्रेशन नीतियां इतनी क्रूर हो चली हैं कि परिवार बिखर रहे हैं, मासूम बच्चे माता-पिता से छिन रहे हैं, बिना कागज वालों को सड़कों से बेरहमी से उटाया जा रहा है। शिकागो की गलियों में गुस्से का ज्वार उमड़ रहा है। लोग अमेरिकी झंडा उल्टा लहराकर चीख रहे हैं, क्योंकि ये नियम सिर्फ कागजी नहीं, इंसानियत पर तमाचा हैं। भारी टैक्स ने व्यापार को जकड़ लिया, कीमतें आसमान छू रही हैं, और नौकरियां रेत की तरह मुट्टी से फिसल रही हैं। व्यापारिक युद्ध ने रिश्तों को तार-तार कर दिया।

सड़कों पर संविधान, हाथों में उम्मीद

जब अमेरिका की सड़कों पर 18 अक्टूबर को, लाखों लोगों की हुंकार एक स्वर में गूंजी, तो यह महज एक प्रदर्शन नहीं था-यह एक राष्ट्र के गहरे जच्चे का सशक्त विद्रोह था। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर की चकाचौंध से शिकागो की संकरी गलियों तक, वाशिंगटन डीसी की पेनसिल्वेनिया एवेन्यू से लॉस एंजेलिस के जीवंत जुलूसों तक, हर कदम पर एक ही नारा गूंजा: 'लोकतंत्र जिंदबाद, तानाशाही नहीं!' न कोई पत्थर फेंका गया, न कोई हथकड़ी खनकी, यह थी शांतिपूर्ण क्रांति की अडिग ताकत, जो संविधान की रक्षा के लिए उठी। यह वही अमेरिका है, जिसने कभी तानाशाहों को ठुकराया, जिसकी स्वतंत्रता की मशाल ने दुनिया को राह दिखाई। मगर आज, जब सत्ता का अहंकार लोकतंत्र को निगलने को तैयार है, एक सवाल हवा में गूंजाता है: क्या यह जन-जागृति समय रहते विजय का परचम लहराएगी, या इतिहास फिर अपनी काली स्याही से दर्दनाक पन्ना लिखेगा? आज का अमेरिका एक भीषण तूफान के चक्रव्यूह में फंसा है। नए सरकारी आदेशों ने संसद को हाशिए पर धकेल दिया, जैसे लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा हो। इमीग्रेशन नीतियां इतनी क्रूर हो चली हैं कि परिवार बिखर रहे हैं, मासूम बच्चे माता-पिता से छिन रहे हैं, बिना कागज वालों को सड़कों से बेरहमी से उटाया जा रहा है। शिकागो की गलियों में गुस्से का ज्वार उमड़ रहा है; लोग अमेरिकी झंडा उल्टा लहराकर चीख रहे हैं, क्योंकि ये नियम सिर्फ कागजी नहीं, इंसानियत पर तमाचा हैं। भारी टैक्स ने व्यापार को जकड़ लिया, कीमतें आसमान छू रही हैं, और नौकरियां रेत की तरह मुट्टी से फिसल रही हैं। कनाडा और मैक्सिको जैसे पड़ोसियों के साथ व्यापारिक युद्ध ने रिश्तों को तार-तार कर दिया। स्वास्थ्य सेवाओं की कटौती ने लाखों लोगों को बुनियादी इलाज के लिए तरसा दिया, जैसे जीवन का अधिकार भी छीना जा रहा हो। सबसे भयावह है शहरों का सैन्यीकरण। सरकारों के विरोध को ठेगा दिखाते हुए सड़कों पर सैनिक उतार दिए गए हैं। इसे 'अपराध से लड़ाई' का नाम दिया जा रहा है, मगर आलोकिक इसे तानाशाही की ओर बढ़ता खतरनाक कदम करार देते हैं। सरकार ठप है, सरकारी कर्मचारी बिना वेतन के खून-पसीना बहा रहे हैं। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें राष्ट्रपति को राजा का मुकुट पहने दिखाया गया, यह कोई हल्का मजाक नहीं, बल्कि सत्ता के अहंकार का खुला ऐलान था। कुछ नेताओं ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे भ्रष्ट नमूना ठहराया, चेतावनी दी कि सरकार बंदी का बहाना बनाकर शक्तियां हथियाने जा रही है। मगर संविधान की गूंज अटल है: 'कोई राजा नहीं बनेगा, कोई

अनिधिकार शक्ति नहीं पाएगा!' न्यूयॉर्क में एक नेता ने तख्ती थामकर हुंकार भरी: 'स्वास्थ्य सेवाएं लौटाओ!' वाशिंगटन में एक सीनेटर ने भीड़ से कहा: 'हम यहीं हैं, क्योंकि हमारा देश हमारी जान है!' यह आंदोलन महज बड़े शहरों की चकाचौंध तक सीमित नहीं रहा; यह एक राष्ट्रव्यापी ज्वार बन गया, जो छोटे कस्बों तक लहराया। 18 अक्टूबर को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में ढोल-नागाड़ों की गूंज के बीच जनसैलाब हुंकार भर रहा था: 'यही है सच्चा लोकतंत्र!' शिकागो की सड़कों पर उल्टे झंडों के साथ नारे गूंजे: 'हमारा शहर आजाद करो!' लॉस एंजेलिस में रंग-बिरंगे लिबास में प्रदर्शनकारी नाचते हुए



भी गंभीर थे, उनकी तख्तियां चीख-चीखकर कह रही थीं: 'संविधान को मजाक मत बनाओ!' वाशिंगटन में बिना वेतन के काम कर रहे सरकारी कर्मचारी सड़कों पर उतर आए, उनके चेहरों पर गुस्सा नहीं, बल्कि अपने देश के लिए जुनून था। पूरे देश में हज़ारों रैलियां उमड़ीं—महानगरों से लेकर गांवों तक। आयोजकों ने दृढ़ता से कहा: 'हम हिंसा नहीं, अपने हक की लड़ाई चाहते हैं!' फिर भी, कुछ लोग इन प्रदर्शनों को 'राष्ट्र-विरोधी' ठहराकर बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। एक बुजुर्ग, जिनका बचपन इटली की धरती पर बीता, ने अपनी दिल दहला देने वाली कहानी सुनाई। उनके चाचा ने तानाशाही के खिलाफ जंग लड़ी, यातनाएं सह्यं, और अपनी जान गंवाई। उनकी आँखों में डर और दृढ़ता थी, जब उन्होंने कहा: 'दशकों बाद, मैंने कभी नहीं सोचा था कि अमेरिका में वही भयावह छाया फिर देखूंगा।' एक लेखिका ने गहरे दर्द के साथ लिखा: 'ये नीतियां हमें अंधेरे गर्त में धकेल रही हैं, मगर लाखों लोगों का साथ उम्मीद की किरण जगा रहा है।' यह गुस्से का उबाल नहीं था, यह था अपने देश को बचाने का अटल संकल्प। यह हुंकार सिर्फ अमेरिका की सरहदों तक नहीं रुकी। जर्मनी,

स्पेन, और इटली की सड़कों पर भी लोग सड़कों पर उठे। लंदन में अमेरिकी दूतावास के बाहर सैकड़ों की भीड़ ने एकजुटता दिखाई। कनाडा में गूंजा: 'हमारी आजादी पर हाथ मत डालो!' यह सिर्फ एक देश की लड़ाई नहीं, यह वैश्विक स्वतंत्रता की पुकार है। अगर अमेरिका का लोकतंत्र डगमगाया, तो दुनिया भर में आजादी की मशाल मद्धम पड़ जाएगी। ये प्रदर्शन चीख-चीखकर बता रहे हैं कि दुनिया अमेरिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, क्योंकि उसका लोकतंत्र सिर्फ उसका नहीं, बल्कि समूची मानवता का प्रतीक है। यदि ये नीतियां नहीं रुकती, तो भविष्य के द्वार पर अंधकार ठठकर हँसेगा। व्यापार युद्ध नौकरियों को लील लेगा, कीमतें आसमान की सैर करंगी। इमीग्रेशन नियमों की मार से लोग बेघर होंगे, परिवारों की रोड़ टूट जाएगी। सैनिकों की तैनाती शहरों को लोहे की सलाखों में जकड़ेगी। स्वास्थ्य सेवाओं की किल्लत बीमारियों को न्योता देगी, जैसे जीवन ही दाँव पर हो। मगर इन प्रदर्शनों ने एक नई सुबह का सूरज उगाया है। सड़कों पर जनसैलाब है, अदालतों में हक की जंग लड़ी जा रही है। अगले साल के मध्यावधि चुनाव उम्मीद की किरण बन सकते हैं। दुनिया के सहयोगी देश भी दबाव की ललकार बुलंद कर रहे हैं। यह महज सियासत की जंग नहीं, बल्कि नैतिकता का युद्ध है। अमेरिका के संस्थापकों ने राजशाही को ठुकराया था, क्योंकि वे जानते थे कि सत्ता का दुर्ग्रयोग स्वतंत्रता को कुचल देता है। आज संविधान फिर गर्जना कर रहा है: 'कोई राजा नहीं बनेगा!' सड़कें चीख-चीखकर बता रही हैं कि असली शक्ति जनता के दिलों में धड़कती है। सड़कें और सबवे लोगों से भरे हुए थे, जिनके हाथों में तख्तियां थीं। इन तख्तियों पर लिखा था, 'डेमोक्रेसी नॉट मोनार्की' यानी 'लोकतंत्र राजतंत्र नहीं है' और 'द कॉन्स्टिट्यूशन इज नॉट ऑप्शनल' यानी 'संविधान वैकल्पिक नहीं है। इन प्रदर्शनों से पहले ट्रंप के समर्थकों ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों का संबंध अति-वामपंथी संगठन एंटीफ्रा से है, ट्रंप के सहयोगियों ने इन प्रदर्शनों को 'द हेट अमेरिका रैली' कहकर इसकी निंदा की है। एक बुजुर्ग की कॉपटी मगर दृढ़ आवाज गूंजती है: 'मैंने तानाशाही की साये में ज़िंदगी जिया, इसे फिर नहीं देख सकता!' लाखों लोग, एक स्वर—यह लोकतंत्र का अटल जच्चा है। अगर एकजुट रहे, तो अंधेरा छटेगा। दुनिया की नजरें टिकी हैं, इतिहास के पन्ने लिखे जा रहे हैं। चुप्पी अब अपराध है—आवाज उठाएँ! क्योंकि अमेरिका में राजा नहीं, सिर्फ नागरिक हैं, और यही नागरिक देश के सच्चे प्रहरी हैं।

(लेखक स्वतंत्र चक्रवर्त हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

स्मरण
घनश्याम बादल



असरानी : याद रहेगा हास्य का प्यारा 'हिटलर'

इस दिवाली 20 अक्टूबर को 84 वर्ष की आयु में हास्य अभिनेता गोवर्धन असरानी के रूप में हास्य का वह 'बम' चलाया जिसकी धमक कभी हिंदी फिल्मों में सबसे ज्यादा मानी जाती थी। फिल्म प्रशंसकों में 'असरानी' के नाम से मशहूर गोवर्धन असरानी हंसाते-हंसाते इस दुनिया से उस दुनिया में चले गए। असरानी के साथ ही कॉमेडी का एक ऐसा युग खत्म हो गया है जिसने राजेश खन्ना के 'सुपरस्टार युग' से लेकर सलमान खान के 'ब्लॉक बस्टर' दौर तक अपने अभिनय के रंग बिखारे। एक कॉमेडी अभिनेता के रूप में असरानी ने वह मुकाम हासिल किया कि उन्हें हास्य का सुपरस्टार कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जब भी असरानी की बात की जाती है तो अपने समय की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्म 'शोले' का हिटलर टाइप वह बेवकूफ किस्म का जेलर जरूर याद आ जाता है जो अपने डायलॉग "हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं" और "आधे इधर जाओ, आधे उधर और बाकी मेरे पीछे आओ" से दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट करता था। असरानी का यह हास्य अभिनय का शानदार सफर अब पूरा हुआ। भारतीय सिनेमा में जब भी हास्य का इतिहास लिखा जाएगा, असरानी के नाम के बिना वह पूरा नहीं होगा। उनका अभिनय न केवल हंसी उत्पन्न करता था, बल्कि सामाजिक व्यंग्य, मानवीय संवेदना और सहज अभिव्यक्ति का भी प्रतीक रहा। असरानी ने लगभग पाँच दशकों में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। एक जनवरी 1941 को जयपुर (राजस्थान) में जन्मे असरानी का बचपन से ही अभिनय में रुझान था। स्कूली नाटकों से शुरुआत करने के बाद उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे से अभिनय का प्रशिक्षण लिया। वहाँ से लौटकर उन्होंने मुंबई की राह पकड़ी और शुरू हुआ संघर्षों के बीच चमकता हुआ सफर। अपने छात्र जीवन में ही वह आकाशवाणी के लिए भी कार्य करने लगे थे। 1967 में आई फिल्म "हरे कांच की चूड़ियाँ" से असरानी ने अपना फिल्मी करियर शुरू किया। प्रारंभिक वर्षों में उन्हें छोटे हीरो मिले, पर उनकी कॉमिक टाइमिंग और संवाद अदायगी ने सभी को चौंका दिया। 1975 में आई सुपरहिट फिल्म "शोले" ने असरानी को सर्वदा के लिए अमर कर दिया। असरानी को शोले फिल्म कैसे मिली यह भी बड़ा दिलचस्प किस्सा है रमेश सिप्पी ने रूझान था। "फिल्म ही फिल्म" जैसी फिल्मों का निर्देशन किया। हालाँकि उन्हें निर्देशक के रूप में बहुत सफलता नहीं मिली, लेकिन अभिनेता असरानी की चमक बरकरार रही। असरानी ने अभिनेत्री मंडुला असरानी से विवाह किया, जो स्वयं भी गुजराती और हिंदी फिल्मों में सक्रिय रहीं। दोनों की जोड़ी ने मंच और पर्दे पर कई यादगार प्रस्तुतियाँ दीं। कुल मिलाकर फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसा मंझा हुआ अभिनेता एवं हास्य कलाकार खोया है जिसने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को बहुत ऊंचाई दी।



(लेखक स्वतंत्र चक्रवर्त हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कुएं से जाना अभ्यास का महत्व



संकलित **दर्शन**

प्राचीन समय में विद्यार्थी गुरुकुल में रहकर ही पढ़ा करते थे। बच्चे को शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरुकुल में भेजा जाता था। बच्चे गुरुकुल में गुरु के सानिध्य में आश्रम की देखभाल किया करते थे और अध्ययन भी किया करते थे। वरदराज को भी सभी की तरह गुरुकुल भेज दिया गया। वहां आश्रम में अपने साथियों के साथ घुलने मिलने लगा। लेकिन वह पढ़ने में बहुत ही कमजोर था। गुरुजी की कोई भी बात उसके बहुत कम समझ में आती थी। इस कारण सभी के बीच वह उपहास का कारण बनता है। उसके सारे साथी अगली कक्षा में चले गए लेकिन वो आगे नहीं बढ़ पाया। गुरुजी जी ने भी आखिर हार मानकर उसे बोला, "बेटा वरदराज! मैंने सारे प्रयास करके देख लिये है। अब यही उचित होगा कि तुम यहां अपना समय बर्बाद मत करो। अपने घर चले जाओ और घरवालों की काम में मदद करो।" वरदराज भारी मन से गुरुकुल से घर के लिए निकल गया गया। दोपहर का समय था। रास्ते में उसे प्यास लगने लगी। इधर उधर देखने पर उसने पाया कि थोड़ी दूर पर ही कुछ महिलाएं कुएं से पानी भर रही थी। वह कुएं के पास गया। वहां पत्थरों पर रस्सी के आने जाने से निशान बने हुए थे, तो उसने महिलाओं से पूछा, "यह निशान आपने कैसे बनाए?" तो एक महिला ने जवाब दिया, "बेटे यह निशान हमने नहीं बनाए। यह तो पानी खींचते समय इस कोमल रस्सी के बार बार आने जाने से ठोस पत्थर पर भी ऐसे निशान बन गए हैं।"

अंतर्मन

मना लीं दिवाली.... अब हमें मनाओ

आज की पाती

मंदिरों के चढ़ावे का रखरखाव पारदर्शी हो

मंदिरों के चढ़ावे में मिले धन एवं अन्य सामग्री का रखरखाव पारदर्शी तरीके से किया जाए, वहीं दूसरी ओर इसकी भी आवश्यकता है कि उसका उपयोग धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यों में ही किया जाना सुनिश्चित किया जाए। यही बात मंदिरों की अन्य संपत्ति पर भी लागू होती है। इसे पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश ने रेखांकित भी किया, जिसमें कहा गया है कि मंदिरों को दान की गई धराशिका का समुचित उपयोग किए जाने की पारदर्शी व्यवस्था बने जब अन्य समुदायों के धार्मिक स्थलों का संचालन उस समुदाय विशेष के लोग करते हैं तो मंदिरों के मामले में ऐसा क्यों नहीं है?

- कृपा शर्मा, पाठकसा, हरियाणा

करंट अफेयर

आदेश हवा, दिवाली 'ग्रीन' नहीं कर पाए ग्रीन पटाखे

पिछली रात पटाखों की आवाज हर दिल्लीवाले के घर तक गूंजी। हालांकि इस बार भी दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की मैनुफैक्चरिंग, बिक्री और इस्तेमाल पर पाबंदी थी लेकिन सवाल ये है, क्या ये सच में ग्रीन है? दिवाली की रात वजीपुर स्टेडियम पर रात 10 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 691 पहुंच चुका था। इसके बाद रात 10 बजे से सुबह 2 बजे तक का डेटा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइट से गायब रहा। जब अपडेट दोबारा शुरू हुए, तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 985 हो गया था और एक घंटे बाद तो 999 की ऊपरी सीमा को भी छू गया। फिर सुबह 4 बजे तक यह घटक 622 पर आ गया। इस गैप को भरने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटेरोलॉजी के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। दीवाली की शाम 4 बजे से अगले दिन सुबह 11 बजे तक का डेटा (2024 और 2025) ट्रैक किया गया ताकि यह पता चल सके कि प्रदूषण के स्तर में गिरावट या बढ़ोतरी किस पैटर्न में हुई। दीवाली के दौरान प्रदूषण बढ़ने की सीधी वजह भले पटाखे हों, लेकिन दिल्ली की हवा को गंदा करने में कई और फैक्टर भी काम करते हैं जैसे फसल जलाना, हवा की दिशा बदलना, तापमान में गिरावट और नमी में उतार-चढ़ाव।

ऑफ बीट

भारत में छिपा है 'मौत का टापू'

दुनिया में कई रहस्यमयी जगह हैं, लेकिन भारत का एक द्वीप ऐसा है, जहां जाने की हिम्मत बहुत कम लोग कर पाते हैं। यह जगह खूबसूरत जरूर है, पर वहां कदम रखना मौत को दावत देने जैसा है। अंडमान द्वीप समूह का यह इलाका जारवा जनजाति का घर है। एक ऐसी जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों से बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग-थलग रह रही है। ये लोग किसी अनजान व्यक्ति को अपने इलाके में बदरुत नहीं करत। अगर कोई वहां गलती से भी पहुंच जाए, तो उसके बचने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए इस द्वीप को 'मौत का टापू' कहा जाता है। भारत का अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इन्हीं जंगलों के बीच एक रहस्य छिपा है। जारवा जनजाति का इलाका माना जाता है कि ये लोग जनजाति जो हजारों सालों

एशिया कप ट्रॉफी प्रकरण में बीसीसीआई के समर्थन में श्रीलंका और अफगानिस्तान



नकवी ने कहा, बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी ले सकता है

भारतीय बोर्ड का इनकार किया, बीसीसीआई अगले माह आईसीसी की बैठक में उठाएगा मद्दा

भाषा **नई दिल्ली**

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध बना हुआ है और बीसीसीआई को श्रीलंका तथा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन मिलने के बावजूद एशिया क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं हैं। ट्रॉफी अभी तक चैम्पियन भारतीय टीम को मिली नहीं है। एसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि नकवी ने कहा है कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी ले सकता है, लेकिन भारतीय

एशिया क्रिकेट परिषद के पाक प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं

अब फैसला आईसीसी की बैठक में होगा

बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में होगा। आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय पर है चूंकि भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद इसे नकवी से लेने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद वह ट्रॉफी लेकर चले गए। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं। पहलुगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारतीय टीम ने एशिया कप के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले हुए और तीनों भारत ने जीते।

बोर्ड ने इससे इनकार किया। 'बीसीसीआई सचिव देवाजीत बीसीसीआई अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मसला उठायेगा। एसीसी सूत्र ने कहा, श्रीलंका तथा अफगानिस्तान समेत

नकवी को आड़े हाथों लिया था

नकवी ने एशिया कप के दौरान अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पहलुगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की सैन्य कार्रवाई का मजाक उड़ाने वाले वीडियो और मीम्स डाले थे। ट्रॉफी प्रकरण के बाद दोनों देशों के प्रतिनिधियों का आमना सामना एसीसी बैठक में भी हुआ जिसमें बीसीसीआई अधिकारियों ने ट्रॉफी नहीं देने के लिये नकवी को आड़े हाथों लिया था। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान रवाना होने से पहले नकवी ने एसीसी स्टाफ को निर्देश दिया है कि उनके निदेशों के बिना ट्रॉफी किसी को नहीं दी जाए या हटाई नहीं जाए।

अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिये कहा। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनका जवाब था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिए मामले में गतिरोध बना हुआ है।

खबर संक्षेप



गोवा में 31 अक्टूबर से होगी फिडे विश्व कप शतरंज चैम्पियनशिप

पणजी। फिडे विश्व कप शतरंज चैम्पियनशिप गोवा में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर तक होगी जिसका लोगो और गीत मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को लांच किया। आयोजकों ने यहां जारी बयान में कहा कि विश्व कप विजेता को ट्रॉफी के साथ 2026 कैडिटेट्स टूर्नामेंट में तीन स्थान भी मिलेंगे। इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों में विश्व चैम्पियन डी गुकेरा, अर्जुन एरिगोसी, आर प्रज्ञानानंद, अनिशी गिरी, वेसली सो, विसेंट केमरे, हेस नौमैन, नोदिरबेक अब्दुसतोरोव, इवान नेपोमिन्याश्विच, रिचर्ड रोपेट, विदित गुजराती, निहाल सरिन शामिल हैं। भारत को उदयमान सितारा दिव्या देशमुख वाइल्ड कार्ड के जरिये ओपन वर्ग में खेलेंगी।

भारतीय एथलेटिक्स टीम का पहला जय्या रांची पहुंचा

रांची। भारतीय एथलेटिक्स दल का पहला जय्या 24 से 26 अक्टूबर तक मोहराबादी स्थित प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होने वाली दक्षिण एशियाई सैफ सिनियर चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंच गया। धावक प्रभाव गुरव, उत्तम पाटिल और अर्नव टाकलकर अपने कोच के साथ सबसे पहले पहुंचे, जिससे तीन दिवसीय महाद्विपीय प्रतियोगिता में भारतीय अभियान की तैयारी की शुरुआत हुई।

अभय अमेरिकी ओपन में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी माकिन से हारे

फिलाडेल्फिया। भारत के अग्रणी खिलाड़ी अभय सिंह यहां 226,000 डॉलर इनामी पीएसए प्लेटिनम प्रतियोगिता अमेरिकी ओपन स्क्वाश के राउंड ऑफ 16 में वेल्स के तीसरे बरीय जोएल माकिन से हार गए। एशियाई खेलों में कई पदक जीतने वाले और विश्व में 30वें नंबर के खिलाड़ी 27 वर्षीय अभय को सोमवार को विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी से 2-11, 5-11, 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। अभय ने पिछले महीने दोहा में खेली गई प्रतियोगिता में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी करीम गवाद को हार कर अपने करीब का शानदार परिचय दिया था।

लक्ष्य सेन फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हारकर बाहर

पेरिस। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी ने जीत के साथ शुरुआत की लेकिन लक्ष्य सेन मंगलवार को यहां पुरुष एकल के पहले दौर में आयरलैंड के एनहात एनुपुन के खिलाफ सीधे गेम में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य शुरुआत से ही लय में नहीं दिखे और उन्हें दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी एनुपुन के खिलाफ 7-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। रोहन और रुतविका ने मिश्रित युगल के पहले दौर में ओलेक्सी तितोव और येवहेनिया केंटेमिर की युकेन की जोड़ी के खिलाफ 21-12, 21-19 की जीत के साथ शुरुआत की।

भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम एशियाई युवा खेलों के लिए बहरीन रवाना

भाषा **नई दिल्ली**
भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों में भाग लेने के लिए रवाना, बहरीन के लिए रवाना हो गई है। टीम में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरशी पुजारी जैसे मुक्केबाज शामिल हैं जिन्होंने हाल में भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम में कई ऐसे मुक्केबाज भी शामिल हैं जिन्होंने जुलाई 2025 में एशियाई अंडर-17 चैम्पियनशिप में प्रभावाशाली

अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंची अफ्रीका की टीम

दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्व कप मैच में पाकिस्तान को 150 रन से रौंदा

भाषा **कोलंबो**

कप्तान लॉरा वोलवार्ट की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका वर्षों से प्रभावित महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान को मंगलवार को यहां उदकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 150 रन से रौंदकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके साथ ही विश्व कप में पहली बार लगातार पांच जीत दर्ज की। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका के शीर्ष पर है। टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार कर रहा पाकिस्तान दो अंक के साथ अंतिम स्थान पर



पर 312 रन रन के मजबूत स्कोर की नींव रखी। अनुभवी मारिजेन कैप (नाबाद 68, 43 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) और नैदिन डि क्लर्क (41 रन, 16 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से नाशारा संधू ने 45 जबकि सादिया इकबाल ने 63 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पाकिस्तान को मैच में बारिश के कई बार खलल डालने के बाद अंततः 20 ओवर 234 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम ने निर्धारित अंतराल पर विकेट गंवाए और अंततः सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कैप ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कैप ने सलामी बल्लेबाज ओमैमा सोहेल विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके टीम के 40 ओवर में नौ विकेट



हीली की चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया टीम संयोजन में कर सकती है बदलाव

इंदौर। गत पैंपियन ऑस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली के चोटिल होने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में अपने टीम संयोजन में बदलाव करना होगा। सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुकीं दोनों टीमों का लक्ष्य शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में एक दूसरे पर अपनी बाढ़शाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा। दोनों टीमों अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1,490 की तुलना में 1,818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल

अंडर 23 विश्व चैम्पियनशिप

विश्वजीत कांस्य पदक की दौड़ में, तीन अन्य ग्रीको रोमन पहलवान पहले दौर में हारे



एजेसी **नोवी साद (सर्बिया)**

विश्वजीत मोरे मंगलवार को यहां अंडर 23 विश्व चैम्पियनशिप के 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक की दौड़ में बने रहे जबकि ग्रीको रोमन में बाकी तीन भारतीय पहलवान पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। मोरे ने किर्गीस्तान के डेनिस फ्लोरिन मिहाइ को 6.2 से हराकर शुरुआत की। इसके बाद अमेरिका के कीनिथ एंड्रयू क्रॉसबे को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9.1 से हराया। मोरे को हालांकि क्वार्टर फाइनल में अलिबेक अमिरोव के

खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा। अमिरोव ने बाद में फाइनल में जगह बनाई जिससे मोरे के रेपेचेज के जरिए चुनौती पेश करने का रास्ता खुल गया। अमिरोव यूडब्ल्यूडब्ल्यू के ध्वज तले चुनौती पेश कर रहे हैं। वहीं निशांत (67 किलो), अनिल (72 किलो) और नमन (97 किलो) पहले दौर में हार गए। निशांत को अजरबैजान के फराइम मुस्तफायेव ने 8.3 से हराया जबकि अनिल को आर्मेनिया के गैस्पेर टी ने 6.1 से मात दी।

रिजवान की जगह शाहीन शाह अफरीदी बने पाक की वनडे टीम के कप्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला से पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को अपनी वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया है, जो मुहम्मद रिजवान की जगह लेंगे। पीसीबी ने सोमवार को कहा कि शाहीन चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व करेंगे। पीसीबी ने कहा कि शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाने का फैसला इस्लामाबाद में हुई बैठक में लिया गया जिसमें राष्ट्रीय चयनकर्ता, सलाहकार बोर्ड के सदस्य और सीमित ओवरों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच माइक हेसन शामिल हुए। शाहीन को 2023 के आखिर में राष्ट्रीय टी20 कप्तान भी बनाया गया था, लेकिन न्यूजीलैंड में सिर्फ एक श्रृंखला के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। उनकी जगह फिर से बाबर आजम को कप्तान बनाया गया था जिन्होंने पिछले विश्व टी20 कप में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व किया था।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पता चलेगा कि रोहित-कोहली 2027 विश्व कप तक खेल सकते हैं या नहीं: पॉटिंग

एजेसी **दुबई**

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉटिंग का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन यह निर्धारित करेगा कि यह स्टाार भारतीय जोड़ी 2027 विश्व कप तक खेल सकती है या नहीं। अब केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले कोहली और रोहित मार्च के बाद जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर तक नहीं टिक पाए। भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को एडिलेड में होगा, जहां की परिस्थितियां पर्थ की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों के लिए



अधिक अनुकूल होंगी। पॉटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ 'आईसीसी रिव्यू' पर बात करते हुए कहा कि इस दिग्गज जोड़ी को केवल 2027 वनडे विश्व कप के बारे में सोचने के बजाय अपने लिए अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। पॉटिंग ने कहा, 'एक बात जो मुझे किसी से सुनना पसंद नहीं है, वह यह है कि 'मैंने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है', क्योंकि मुझे

लगत है कि आपके पास अब भी कुछ अल्पकालिक लक्ष्य होने चाहिए। आपको केवल 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में नहीं सोचना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'विराट शुरू से ही एक बेहद प्रेरणादायी इंसान रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के लिए कुछ लक्ष्य तय कर लिए होंगे। वह अगले विश्व कप के बारे में सोच कर अपना समय बर्बाद नहीं कर रहे होंगे। यह देखना होगा कि क्या वे विश्व कप तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रख पाएंगे।' जैसा कि रवि ने कहा, हमें इस श्रृंखला के दौरान इसका जवाब मिल जाएगा।' पहले वनडे में रोहित और कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा लेकिन शास्त्री का मानना है कि सीमित ओवरों के इन दो महान खिलाड़ियों को अधिक समय दिया जाना चाहिए।

स्मृति ने इंग्लैंड की कप्तान ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बनाई

मंधाना शीर्ष पर, दीप्ति गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर

■ स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं

■ इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली

भाषा **दुबई**

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन शीर्ष पर हैं।



स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए



आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं। फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) ने भी बल्ले से अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में अपनी जगह मजबूत की है।

शीर्ष 10 के बाहर भी कुछ बदलाव

शीर्ष 10 के बाहर भी कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (तीन स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर), ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड (पांच स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) और इंग्लैंड की अनुभवी हारर नाइट (15 स्थान के फायदे से 18वें पायदान पर) सभी को विश्व कप में बल्ले से उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने विश्व कप में अब तक पांच मैच में 13 विकेट की बढ़ती तीन स्थान के फायदे से तीसरा स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एलेन किंग दो स्थान के सुधार के साथ सातवें स्थान पर हैं जबकि पाकिस्तान की तीन खिलाड़ियों नशारा संधू (तीन स्थान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर), सादिया इकबाल (पांच स्थान के सुधार के साथ 14वें स्थान पर) और फातिमा सना (पांच स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। फातिमा ने एकदिवसीय ऑलराउंडर की सूची में अपनी स्थिति मजबूत की है जिसमें ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर शीर्ष पर हैं। फातिमा पांच स्थान के सुधार के साथ 15वें स्थान पर हैं जबकि श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापू एक स्थान के फायदे से सातवें पायदान पर है।

